CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-236
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

बर्बाद समय हमारा भविष्य खराब करता है.

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 01 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

2023 में दुनियाभर में एचआईवी से संबंधित बीमारियों से हुई 6.30 लाख लोगों की मौत

80 के दशक के बाद पहली बार कम हुए एचआईवी के मामले

नई दिल्ली। ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) एक गंभीर संक्रामक रोग है जो एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) रोग का कारण बनता है। मेडिकल क्षेत्र में नवाचार और कारगर दवाओं के विकास के कारण अब ये संक्रमण लाइलाज तो नहीं रहा है हालांकि इसके कारण वैश्विक स्तर पर अब भी हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में दुनियाभर में एचआईवी से संबंधित बीमारियों से लगभग 6.30 लाख लोगों की मौत हो गई। साल 2004 की तुलना में ये 69% जरूर कम है, जब 2.1 मिलियन (21 लाख) लोगों की मौत हुई थी। एचआईवी संक्रमण को लेकर हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने राहत भरी जानकारी साझा की है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 1980 के दशक के अंत में इस रोग के बढ़ने के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है जब इसके सबसे कम मरीज रिपोर्ट किए गए हैं। पिछले वर्ष एचआईवी से संक्रमित लोगों की संख्या किसी भी समय की तुलना में सबसे कम रही, हालांकि ये संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्यों से अब भी बहुत ज्यादा है। वैश्विक स्तर पर एड्स महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे बचाव को लेकर लोगों को अलर्ट करने के उद्देश्य से हर साल एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र साल 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। आइए देखते हैं कि इस दिशा में अब तक कितनी कामयाबी मिली है?

अभी भी बहुत प्रयास किया जाना बाकी यूएनएड्स एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में लगभग 1.3 मिलियन (13 लाख) लोग इस बीमारी से संक्रमित हुए। यह अभी भी एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक संख्या से तीन गुना अधिक है। विशेषज्ञों ने कहा, एड्स की रोकथाम की दिशा में सफलता जरूर मिली है, लेकिन अभी भी बहुत प्रयास किया जाना बाकी है। इस प्रगति का श्रेय एंटीरेट्रोवायरल उपचारों को दिया जाता है जिसकी मदद से रोगियों में वायरल लोड को कम करने में मदद मिली है। हालांकि चिंताजनक ये है कि दुनियाभर में एचआईवी से पीड़ित लगभग 40 मिलियन (चार करोड़) लोगों में से लगभग 9.3 मिलियन (93 लाख) लोगों को अब भी कोई उपचार नहीं मिल रहा है।

28 देशों में एचआईवी संक्रमण में हुई वृद्धि रिपोर्ट के मुताबिक एड्स की रोकथाम के बेहतर प्रयास और मामलों में वैश्विक कमी के बावजूद, पिछले साल 28 देशों में एचआईवी संक्रमण में वृद्धि दर्ज की गई। इसके लिए इन देशों में प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (ढ1एढ) नामक निवारक उपचार उपलब्ध कराने के प्रयासों में कठिनाइयों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। यूएनएड्स की उप-निदेशक क्रिस्टीन स्टेगलिंग ने कहा, एचआईवी से पीड़ित लोगों के साथ भेदभाव और कलंक का भाव अब भी इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में बाधा बन रही है। हमें एक साथ मिलकर इस घातक बीमारी से मुकाबले के लिए आगे आने की जरूरत है।

एचआईवी की दवा हाल के वर्षों में एचआईवी की रोकथाम और उपचार को लेकर कई प्रभावी दवाएं चर्चा में रही हैं। लेनाकेपाविर नामक दवा के प्रारंभिक परीक्षणों में पाया गया कि यह एचआईवी संक्रमण की रोकथाम में 100 प्रतिशत तक प्रभावी है। इस रोग के विरुद्ध लड़ाई में संभावित रूप से विशेषज्ञों ने इसे बड़ा परिवर्तनकारी बताया, हालांकि इसकी कीमत अब भी चिंता का कारण है। अमेरिकी दवा कंपनी गिलियड कुछ देशों में इस दवा के लिए प्रति व्यक्ति 40,000 डॉलर चार्ज कर रही है। हालांकि पिछले महीने गिलियड ने कम आय वाले देशों में कम कीमत पर दवा बनाने और बेचने के लिए जेनेरिक दवा निमार्ताओं के साथ सौदे की घोषणा की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एचआईवी और एड्स गंभीर स्वास्थ्य चिंता का कारण रहे हैं। इस बीमारी को लेकर कलंक का भाव इसके इलाज की दिशा में अब भी बाधा है। एचआईवी से बचाव को लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। सुरक्षित यौन संबंध, एचआईवी और यौन संचारित संक्रमणों (एसटीआई) के लिए जांच, सुइयों-सिरिंजों या अन्य दवा इंजेक्शन उपकरणों को साझा न करने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले तरीकों को अपनाकर इससे बचाव किया जा सकता है।

केजरीवाल की सुरक्षा में चूक, हमलावर पकड़ाया

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में पदयात्रा के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने फेंका फेंका पानी, समर्थकों ने की पिटाई

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक पर शनिवार को ग्रेटर कैलाश इलाके में अज्ञात हमलावर ने हमला कर दिया। हमलावर ने उन पर कुछ तरल पदार्थ फेंक दिया। बाद में पता चला कि वह तरल पदार्थ पानी था। इसके तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को फौरन पकड़ लिया। वहीं, समर्थकों ने हमलावर की पिटाई कर दी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केजरीवाल इन दिनों रोजाना पद यात्रा कर रहे हैं। इस कड़ी में वह शनिवार को ग्रेटर कैलाश में पदयात्रा कर रहे थे। घटना के बाद आप ने इसके पीछे बीजेपी का हाथ बताते हुए हमला बोला। पार्टी ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था बरकरार रखने में नाकाम बीजेपी बौखलाई हुई है। यह हमला इसलिए हुआ है क्योंकि केजरीवाल ने कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी पर हमला बोला था। गृह मंत्री अमित शाह की नाकामी जग जाहिर हो गई है।

35 दिन में तीसरा हमला आप ने कहा कि यह बीते 35 तीन में तीसरा हमला है। इससे पहले 25 अक्तूबर को विकासपुरी, 27 नवंबर को नांगलोई और आज 30 नवंबर को ग्रेटर कैलाश में हमला हुआ है। क्या बीजेपी केजरीवाल को जान से मारना चाहती है? हमला करने वालों पर क्यों कोई कार्यवाही नहीं होती?

भाजपा ने कहा केजरीवाल ने स्वयं करवाया हमला इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी का भी बयान आया है। पार्टी ने इसे अरविंद केजरीवाल का ही काम बताते हुए कि आप हार देखकर इस तरह की हरकत कर रही है। हम राजनैतिक पार्टी होने के नाते इस तरह के किसी भी हमले सर्मथन नहीं करते हैं। हमारी अपील है कि दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच कर सच्चाई को सामने लाए।

एक्टर शरद कपूर पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप, केस दर्ज

मुंबई। एक महिला की शिकायत पर मुंबई की खार पुलिस ने एक्टर शरद कपूर के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। एक्टर से महिला की फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। दोनों ने वीडियो कॉल पर बात की। शरद ने उसे काम दिलाने का वादा किया। शूटिंग के बारे में बात करने के बहाने उसे ऑफिस बुलाया। शरद ने उसे खार में अपने ऑफिस आने के लिए लोकेशन भेजी। लेकिन जब वह वहां पहुंची, तो पता चला कि वह ऑफिस नहीं, बल्कि शरद का घर था। पीड़ित ने पुलिस को बताया- जब वह शरद कपूर के घर की तीसरी मंजिल पर पहुंची, तो एक व्यक्ति ने दरवाजा खोला और शरद ने अंदर से आवाज देकर उसे अपने बेडरूम में आने को कहा। इसके बाद उसने बॉडी टच करने की कोशिश की। वह वहां से भाग आई तो शाम को शरद ने महिला को वॉट्सऐप पर गाली-गलौज के मैसेज भेजे।

जामा मस्जिद में अवैध निर्माण, संरचना में किया फेरबदल

संभल की शाही जामा मस्जिद मामले में एएसआई ने कोर्ट में दिया जवाब, कमेटी ने कई बार सर्वे से रोका

चंदौसी (संभल)। संभल की शाही जामा मस्जिद मामले में एएसआई ने अपना जवाब दे दिया है, जिसमें कई बार मस्जिद कमेटी की ओर से एएसआई की टीम को सर्वे से रोकने का जिक्र है। वहीं डीएम की ओर से उपस्थित डीजीसी सिविल प्रिंस शर्मा ने जवाब देने के लिए समय मांगा है। जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुबह से ही पुलिस बल न्यायालय व उसके आसपास के क्षेत्र सक्रिय रहा। न्यायालय में शुक्रवार को अधिवक्ता विष्णु शर्मा द्वारा जवाब प्रस्तुत किया गया। उनके जवाब में समय-समय पर एएसआई द्वारा विवादित स्थल का सर्वे करने का उल्लेख है। वहीं कई बार मस्जिद कमेटी ने एएसआई सर्वे की टीम को सर्वे करने से रोका, उसका जिक्र भी जवाब में शामिल है 1920 से एएसआई के संरक्षण में था विवादित स्थल इस जवाब में जामा मस्जिद के केंद्रीय संरक्षित स्मारक होने का भी उल्लेख किया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि वर्ष 1920 से विवादित स्थल एएसआई के संरक्षण में था। एएसआई द्वारा कहा गया है कि मस्जिद के संरचना (स्ट्रेक्चर) में फेरबदल किया गया है। एएसआई द्वारा वर्ष 2018 में जामा मस्जिद कमेटी के विरुद्ध पुरातत्व स्थल पर अवैध रूप से स्टील की रेलिंग लगा कर संरचना में परिवर्तन करने की एफआईआर भी कराई गई थी।

तबाही मचाने आया चक्रवाती तूफान फेंगल

भारी बारिश के कारण चेन्नई एयरपोर्ट का एक हिस्सा जलमग्न, कई उड़ानें रद्द

चेन्नई। चक्रवाती तूफान फेंगल के कारण पुडुचेरी तट के पास लैंडफॉल शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि तूफान के कारण तमिलनाडु, पुडुचेरी समेत कई जगह बहुत भारी बारिश हो रही है। चेन्नई में विमान और ट्रेन सेवाओं पर भी असर पड़ा है। भारी बारिश के कारण चेन्नई एयरपोर्ट का एक हिस्सा जलमग्न हो गया और कई उड़ानें रद्द होने से सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए है। मौसम विभाग के मुताबिक चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपथुर, कृष्णागिरि, धर्मपुरी, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, विल्लुपुरम और कुड्डालोर जिले चक्रवात पार करने के समय तमिलनाडु और पुडुचेरी तट में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा अरियालुर, पेरम्बलूर,

मयिलादुथुराई, सेलम और नमक्कल जिले में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है और इरोड, तमिलनाडु के कोयंबटूर, डिंडीगुल और पुडुकोट्टई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

छिपने के लिए लोग भागने लगे चक्रवात फेंगल के शनिवार को तट पर पहुंचने के कारण चेन्नई और उसके आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए। तेज हवाओं के कारण बैरिकेड्स और छतरियां उड़ गईं तथा भारी बारिश के कारण सड़क पर लोग छिपने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दिलचस्प बात यह रही कि सरकार द्वारा उच्च ज्वार के मद्देनजर लोगों के लिये समुद्र तटों के पास न जाने की चेतावनी जारी किए जाने के बावजूद बहुत से लोग, विशेषकर युवा पुरुष और महिलाएं, समुद्र तटों पर मौज-मस्ती करते रहे। ममल्लापुरम विश्व धरोहर स्थल पर भी पर्यटकों पहुंचे थे। विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम जैसे तटीय क्षेत्रों में हवा की गति काफी तेज थी।

महाराष्ट्र में महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को

मुंबई एक सप्ताह के लंबे इंतजार के बाद महाराष्ट्र में महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख का ऐलान हो गया। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर को शाम पांच बजे आजाद मैदान मुंबई में होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। हालांकि अभी महायुति ने मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए एक हफ्ता हो चुका है लेकिन सरकार गठन को लेकर कवायद नहीं हुई है। पिछले दिनों दिल्ली में अमित शाह ने महायुति नेताओं के साथ बैठक की थी। इसके बाद महाराष्ट्र में महायुति के नेताओं की बैठक होनी थी, लेकिन वह टल गई। उधर, विपक्ष लगातार नई सरकार के गठन को लेकर सवाल उठा रहा था। इसे लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शपथ ग्रहण समारोह की तारीख का ऐलान कर दिया।

इंदौर में आयोजित हिंदू युवा सम्मेलन में कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बोले-

जो भारत को बांटना चाहते हैं, वो हमारे दुश्मन हैं

देश को बांग्लादेश बनने से बचाने के लिए हिंदुओं को संगठित होना जरूरी

इंदौर। हिंदू व्यापारी हिंदुओं से ही व्यापार करें। क्योंकि धर्मांतरण की सबसे बड़ी वजह बेरोजगारी है। हिंदू व्यापारियों को हिंदुओं को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। दुबई और आबूधाबी में कंपनी खोलने के लिए शेख होना जरूरी है। वहां के संविधान में इसका उल्लेख है। ऐसा हमारे देश में क्यों नहीं हो सकता। जो भारत को बांटना चाहते हैं, वो हमारे दुश्मन हैं। यह बात इंदौर में आयोजित हिंदू युवा सम्मेलन में कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कही। 'रग-रग हिंदू मेरा परिचय' विषय पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि अब एचआई की इस देश में जरूरत है। एचआई का मतलब है इलेक्ट्रुअल हिंदू। अब यूनिटी ऑफ हिंदू और बिजनेसमैन हिंदू होना चाहिए। युवा एआई के दीवाने हैं, लेकिन रील लाइफ से निकलकर रियल लाइफ को जानना होगा। इसलिए एचआई पर फोकस करें।

भारत के मुस्लिमों के परदादा भी हिंदू थे शास्त्री ने कहा कि देश के पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हो रहा है। बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। इस देश को बांग्लादेश बनने से बचाने के लिए हिंदुओं को संगठित होना जरूरी है। नहीं तो नेहा को हिना होने में और शालीन को साहिल होने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि जो भारत में रहते हैं, वे सब हिंदू हैं। चाहे वो मुस्लिम हों या ईसाई हों। उनके दादा परदादा हिंदू थे। हम मुसलमान को इसे देश से हटना नहीं चाहते। बस ये संदेश देना चाहते हैं कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे।

इंदौर का प्रेम मुझे खींच लाया विमानतल पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने चर्चा में कहा कि देश में हिंदू एकजुट हो रहा है। देश में छुआछूत को लेकर भी क्रांति खड़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है, लेकिन इंदौर का प्रेम मुझे खींच लाया। सम्मेलन में मालवा निमाड़ के संत मौजूद रहे। बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री सम्मेलन में पांच घंटे देरी से आए। पहले आयोजन दोपहर एक बजे करने की घोषणा की। लालबाग में भीड़ भी जुटने लगी, लेकिन शास्त्री पांच घंटे देरी से सम्मेलन स्थल पर आए।

स्वागत में किया हनुमान चालीसा का पाठ पं.धीरेंद्र शास्त्री के स्वागत के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इंदौर पहुंचने पर उन्होंने कहा- कल ही हमने यात्रा को विराम किया। हमारा तन बुढ़ापा का है। लगातार चलने के कारण थकावट थी। लेकिन, हमारे प्राण खा लिए। जबरदस्ती पीछे पड़कर कहा कि आना ही पड़ेगा। इसलिए हम नाराज हैं।

व्यापारी संगठन आधे दिन बंद रखेंगे अपने प्रतिष्ठान

हिंदू समाज 4 दिसंबर को निकालेगा आक्रोश रैली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर हो रहे अत्यचार के खिलाफ इंदौर में हिन्दू समाज 4 दिसंबर को बड़ा आंदोलन करने की तैयारी कर रहा है। इसमें दो लाख से ज्यादा लोगों के जुटने की उम्मीद है। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार सुबह आरएसएस के सुदर्शन कार्यालय में बैठक हुई। जिसमें संघ से जुड़े कई संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और रणनीति बनाई।

शनिवार को संघ कार्यालय में हुई बैठक में भाजपा के पदाधिकारी और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। बैठक में तय हुआ कि 4 दिसंबर को सुबह 9 बजे लालबाग परिसर से आक्रोश रैली की शुरुआत होगी। इसका समापन कलेक्टर कार्यालय पर होगा। वहां अफसरों को बांग्लादेश के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में ज्ञापन दिया जाएगा।

रैली का रूट अभी तय नहीं

फिलहाल रैली का रुट तय नहीं हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंशा है कि बांग्लादेश सरकार को भारत से यह संदेश इस प्रदर्शन के माध्यम से जाए कि हिन्दू समाज एकजुट है और वह बांग्लादेश के हिन्दू परिवारों के साथ है। बैठक में व्यापारी संगठनों ने कहा कि वे बांग्लादेश में हो रही हिंसा के विरोध में व्यापारिक प्रतिष्ठान भी आधे दिन बंद रखेंगे।

सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए बांग्लादेश पर दबाव

बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि भारत सरकार को अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश पर दबाव बनाना चाहिए। संघ के पदाधिकारियों ने बैठक में बताया कि तीन दिन तक देशभर में बड़े आंदोलन इस मुद्दे पर होंगे। संघ और उससे जुड़े संगठनों की पैठ मालवा-निमाड़ में ज्यादा है, इसलिए यहां की

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में शामिल होने आए उच्च शिक्षा मंत्री ने की शिक्षाविदों से चर्चा

अगले शिक्षण सत्र में होंगे छात्र संघ के चुनाव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार शहर में आयोजित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में शामिल हुए। यहां उन्होंने शिक्षाविदों से भारतीय परंपराओं और शिक्षा पर चर्चा की।

मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने छात्र संघ चुनाव के लिए मसौदा तैयार कर लिया है और सभी छात्र संघों से चर्चा के बाद इस पर सहमति बनी है। अगले शिक्षण सत्र से छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। मंत्री परमार ने तुलसी के पास दीपक जलाने की परंपरा का महत्व बताते हुए इसके वैज्ञानिक और सांस्कृतिक पहलुओं को भी समझाया। कहा- हर घर में तुलसी का पौधा लगाने की परंपरा भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। तुलसी को पर्यावरण संरक्षण और ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए घरों में लगाया जाता है। तुलसी के पास घी का दीपक जलाने से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक ऊर्जा को भी बढ़ाता है।

छात्रों तक पहुंचाएं भारतीय परंपराओं के पीछे छिपे वैज्ञानिक तथ्य

मंत्री परमार ने शिक्षाविदों से आग्रह किया कि वे भारतीय परंपराओं के पीछे छिपे वैज्ञानिक तथ्यों को छात्रों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि 2047 का भारत ऊर्जा और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनकर विश्व का भरण-पोषण करने वाला देश बनेगा। यह लक्ष्य भारतीय किसानों, युवाओं और वैज्ञानिक सोच के माध्यम से हासिल किया जाएगा।

भारत ने किया है विश्व का मार्गदर्शन

मंत्री ने तुलसीदास जी की चौपाई का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने हमेशा विश्व का मार्गदर्शन किया है और यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने शिक्षाविदों से भारतीय परंपराओं को संरक्षित रखने और नई पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराने का आह्वान किया।

पुलिस आत्महत्या के एंगल से भी कर रही है जांच

शराब समझकर पीया एसिड बुजुर्ग की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एरोड्रम इलाके में शनिवार को एक बुजुर्ग ने शराब समझकर एसिड पी लिया। इससे उसकी मौत हो गई। परिजन ने आत्महत्या के कारणों से इनकार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम जयराम हल्दे (70) है। बेटे गणेश ने बताया कि पिता शुक्रवार को घर पर ही थे। परिवार के बाकी सदस्य काम पर चले गए थे। पिताजी अकसर दिन में भी शराब पीते थे। इसके चलते उन्होंने शुक्रवार को भी शराब पी ली थी। ज्यादा नशे में शुक्रवार को शराब की जगह एसिड पी लिया। मुझे घर से फोन पर पिताजी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली। घर पहुंचकर देखा तो उनका चेहरा, आंखें, होंठ सब सूज रहे थे। उन्हें लेकर तत्काल अस्पताल पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती कर लिया। शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई।

परिजन ने आत्महत्या से किया इनकार

परिजन ने कहा कि परिवार में किसी तरह की कमी नहीं थी। उनका भी किसी से विवाद नहीं था। उनके सभी से अच्छे संबंध थे। ऐसे में वे आत्महत्या नहीं कर सकते।

एरोड्रम थाना एसआई श्यामलाल तंवर ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। मृतक जयराम, निवासी साकेत धाम कॉलोनी के परिवार के बयान होना बाकी हैं। परिवार का कहना है कि जयराम ने एसिड पी लिया था। हम इसकी जांच कर रहे हैं। उनके घर से एसिड और शराब की बॉटल बरामद की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह पता चलेगी। हम आत्महत्या जैसे कारणों की भी पूरी जांच कर रहे हैं।

इमारत की पांचवीं मंजिल पर कर रही थी काम, पैर फिसला और सिर के बल जा गिरी

नगर निगम की निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर महिला की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में शनिवार को नगर निगम की निर्माणाधीन बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से गिरने से 26 वर्षीय महिला मजदूर की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अनियंत्रित होने से महिला का पैर फिसला और वह सिर के बल जमीन पर जा गिरी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मृतका अनीता पति दिनेश है। वह देवास से इंदौर आकर मजदूरी कर रही थी। दरअसल नगर निगम परिसर में करीब दस साल से नए परिषद भवन का निर्माण कार्य चल रहा

है, जहां शहर के बाहर से आए कई मजदूर काम कर रहे हैं। अनीता भी यहीं मजदूरी कर रही थी। एमजी रोड थाना टीआई विजयसिंह सिसौदिया ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। एम्बुलेंस से शव को एमवाय अस्पताल भेजा है। हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

महापौर ने दिए जांच के आदेश

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों को इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। महापौर के मुताबिक हादसा किसकी लापरवाही से हुआ है इसकी जांच की जाएगी। नई बिल्डिंग का काम कर रहे ठेकेदार से भी इस मामले में पूछताछ की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

किडनी देकर दो महिलाओं ने बचाई एक-दूसरे के पति की जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में दो महिलाओं ने अपने पतियों की जान बचाने के लिए एक-दूसरे के पति को किडनी दान की। यह मप्र में पहला इंटर हॉस्पिटल किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट है। दोनों ट्रांसप्लांट एक ही समय पर अलग-अलग अस्पतालों में किए गए। स्टेट ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के लिए विशेष अनुमति ली गई थी।

इसमें एक 31 वर्षीय और एक 47 वर्षीय पुरुष शामिल थे, जिनकी किडनी खराब हो चुकी थी। उनकी पत्नियों का ब्लड ग्रुप उनसे मैच नहीं कर रहा था, इसलिए यह अनोखा उपाय अपनाया गया। उन्होंने एक दूसरे के पति को अपनी किडनी देकर एक मिसाल कायम की। यह मध्य प्रदेश में पहली बार हुआ है जब दो अलग-अलग अस्पतालों में एक साथ इंटर हॉस्पिटल किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट किया गया। 31 वर्षीय मरीज का ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव था जबकि उनकी पत्नी का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव था। इसी तरह 47 वर्षीय मरीज की भी पत्नी का ब्लड ग्रुप उनसे मैच नहीं कर रहा था। इसलिए उनकी मां को डोनर बनाने की सोची गई पर बढ़ती उम्र के कारण डॉक्टरों ने उन्हें डोनर बनाने से मना कर दिया। ऐसे में एक अनोखा रास्ता निकाला गया, किडनी स्वैप। दोनों महिलाओं ने एक दूसरे के पति को अपनी किडनी दान करने का फैसला किया।

यह एक जटिल प्रक्रिया थी जिसके लिए स्टेट आर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन से विशेष अनुमति लेनी पड़ी। स्टेट आर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन के प्रमुख डॉ संजय दीक्षित ने सभी दस्तावेजों और रिपोर्टों की जांच के बाद इसकी अनुमति दी। इसमें एक शर्त रखी गई कि दोनों अस्पतालों में ट्रांसप्लांट एक ही समय पर शुरू किए जाएं ताकि किसी भी तरह की परेशानी या विवाद से बचा जा सके। नेफ्रोलाजिस्ट डॉ संदीप सक्सेना और डॉ नेहा अग्रवाल ने इस पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि ट्रांसप्लांट के लिए रडळड से मंजूरी लेनी होती है। हमने रिपोर्ट और दस्तावेज रडळड के हेड डॉ. संजय दीक्षित के सामने प्रस्तुत किए। जांच करने के बाद हमें ट्रांसप्लांट की मंजूरी दी। शर्त थी कि दोनों अस्पतालों में एक साथ एक ही समय पर दोनों ट्रांसप्लांट शुरू करने होंगे, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी या विवाद न हो। हमने कोऑर्डिनेशन करते हुए एक ही समय पर सफलतापूर्वक यह ट्रांसप्लांट किया गया। यह पूरा ऑपरेशन बड़ी ही सावधानी और नियोजन के साथ किया गया। दोनों अस्पतालों के डॉक्टरों ने आपस में तालमेल बिठाकर इस मुश्किल काम को अंजाम दिया। यह चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी है और दोनों परिवारों के लिए एक नई शुरूआत। यह घटना दूसरों के लिए भी प्रेरणा का काम करेगी और अंगदान के महत्व को रेखांकित करेगी। यह दशार्ता है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो मुश्किल से मुश्किल स्थिति में भी रास्ता निकाला जा सकता है। यह ऑपरेशन सिर्फ एक मेडिकल सफलता ही नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों, प्रेम और समर्पण की भी एक अनोखी कहानी है।

बाणगंगा पुलिस ने बदमाशों का निकाला जुलूस, कान पकड़वाकर मंगवाई माफी

लूट के छह आरोपी पुलिस गिरफ्त में...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने लूट के 6 आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से एक लूट का मोबाइल और बाइक मिली है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने धीरज उर्फ कालू पुत्र विनोद राय निवासी भवानी नगर, राजेश उर्फ राज पुत्र प्रेमनारायण लोधी, अखिलेश लोधी पुत्र कुंवर सिंह लोधी ,लवीश पुत्र मदनलाल किराड़े निवासी भवानी नगर और दो नाबालिग को पकड़ा था। आरोपियों का शुक्रवार शाम इलाके में जुलूस निकाला और कान पकड़वा कर उनसे माफी मंगवाई।

चोर से मोबाइल जब्त

एरोड्रम पुलिस ने भी 60 फीट रोड पर श्रीकृष्ण इंटरप्राइजेस में हुई चोरी के मामले में विशाल बौरासी को पकड़ा है। आरोपी के पास से चोरी किए गए मोबाइल जब्त किए गए हैं। उसने कुछ मोबाइल विशाल यादव और दो नाबालिगों को बेचे थे। वह भी आरोपियों से जब्त कर किए गए हैं। आरोपी ने लोगों को डराने के लिए सीने पर 302 धारा गुदवा रखी थी। आरोपी पूर्व में भी मोबाइल चोरी के मामले में पकड़ाया जा चुका है। उस पर चोरी के करीब 15 अपराध दर्ज हैं।

पुलिस ने गुंडों से लगवाई उठक-बैठक, दिलाई गुंडागर्दी छोड़ने कीशपथ

इंदौर। गांधी नगर में बढ़ रही गुंडागर्दी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने गुंडों से उठक-बैठक लगवाई। इससे पहले पुलिस ने आठ गुंडों को मैदान में लाइन से खड़ा किया और उन्हें अपने-अपने ईश्वर की कसम खिलाई। इसके बाद उन्हें शपथ दिलाई कि आगे से कोई अपराध नहीं करेंगे। पुलिस की इस कार्रवाई का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में गांधी नगर थाना टीआई अनिल यादव ने गुंडों से शपथ दिलवाई कि वे आगे से गुंडागर्दी नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने सभी को उठक-बैठक लगाने का इशारा किया। सभी बदमाश उठक-बैठक लगाने लगे। फिर टीआई ने जय हिंद कहकर सभी को छोड़ दिया।

दो करोड़ धोखाधड़ी केस में रूस सरकार ने कहा कार्रवाई करें...

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दो करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत करने वाले इंदौर के कंफेक्शनरी कारोबारी की शिकायत के बाद रूस सरकार ने रूसी नागरिक और कारोबारी पर कार्रवाई के लिए भारतीय एम्बेसी को पत्र लिखा है।

शिकायतकर्ता और कैमको चीव फूड प्रा. लि. के संचालक कारोबारी तरुण जैसवानी ने बताया कि उनके साथ दो करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले रूसी नागरिक गौरव अहलावत की शिकायत इंदौर पुलिस से की थी। शिकायत के बाद भारतीय और रूसी एम्बेसी से से भी कार्रवाई के लिए पुलिस को निर्देश मिले हैं। उधर, इंदौर के कंफेक्शनरी कारोबारी संजय और तरुण जैसवानी द्वारा रशियन एम्बेसी से शिकायत की जानकारी मिलने के बाद दिल्ली के चार व्यापारी भी इंदौर पहुंचे। यहां वे धरने पर बैठ गए। दिल्ली के व्यापारी अजित त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, अनिल पुरी सहित चार व्यापारियों का आरोप है कि अहलावत ने उनसे सवा करोड़ का माल लिया और पैसे नहीं दिए। त्रिपाठी ने कहा कि हमें पता चला कि अहलावत इंदौर में भूख हड़ताल पर बैठे हैं, तो हम भी उनसे अपने सवा करोड़ मांगने के लिए इंदौर आए और उनके सामने ही धरने पर बैठ गए।

कारोबार बंद कर दिल्ली से आए इंदौर

रशियन नागरिक गौरव अहलावत की शिकायत चारों व्यापारी लसूड़िया थाने में कर चुके हैं। दिल्ली के व्यापारी और शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार ने अपनी शिकायत में लिखा कि दिल्ली में मेरी प्रिंट एंड पैकेजिंग सॉल्यूशन के नाम से कंपनी है। मुझे उनसे 7.14 लाख रुपए लेना है। वे अपना कारोबार बंद करके इंदौर आ गए। उन्होंने मुझसे 2018-19 में 7.14 लाख रुपए का प्रिंट का काम करवाया था, लेकिन अब तक पैसे नहीं चुकाए।

खिलौने बनवाए पैसे नहीं दिए

दिल्ली आए शिकायतकर्ता अजित त्रिपाठी ने कहा कि मेरी कंपनी चार्म वुड प्लास्टिक से गौरव अहलावत की कंपनी ने 2017-19 के बीच 20 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के खिलौने बनवाए, पर पैसे नहीं दिए।

मंडल और जिला अध्यक्ष के लिए 40 और 60 वर्ष की आयु सीमा भी निर्धारित

आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं को जिला व मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में संगठन चुनाव के तहत दिसंबर में भाजपा के मंडल और जिला अध्यक्ष बना दिए जाएंगे। चुनाव दो चरणों में होंगे। इसकी तैयारी के लिए बुधवार शाम प्रदेश कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

पार्टी संगठन ने केंद्रीय नेतृत्व की तय गाइडलाइन के तहत कार्ययोजना बनाई है। जिन पर आर्थिक और आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, ऐसे नेताओं को जिला और मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। ऐसे नेता संगठन चुनाव में ही हिस्सा नहीं ले सकेंगे। वहीं, मंडल और जिला अध्यक्ष के लिए क्रमश: 40 और 60 वर्ष की आयु सीमा भी निर्धारित की गई है, यानी पार्टी युवा और वरिष्ठता दोनों ही श्रेणी के नेताओं को अवसर देगी। इसी तरह, अपने चहेतों को मंडल और जिला अध्यक्ष बनाने के लिए सांसद, विधायक या मंत्री की अनुशंसा भी नहीं चलेगी। इसको लेकर पार्टी संगठन ने पहले ही गाइड लाइन तय कर दी है।

कार्यशाला में ये रहेंगे उपस्थित

भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने बताया कि बुधवार को होने वाली कार्यशाला को पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद संबोधित करेंगे।

कार्यशाला में प्रदेश कोर कमेटी, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, महापौर, नेता प्रतिपक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री, प्रदेश निर्वाचन टोली, प्रदेश सक्रिय सदस्यता टोली, जिला निर्वाचन टोली, बूथ प्रबंधन जिला प्रभारी उपस्थित रहेंगे।

बूथ समितियों के गठन की सराहना

वहीं, मप्र के भाजपा संगठन की बूथ समितियों के गठन की शीर्ष नेतृत्व ने सराहना की है। अब पार्टी का फोकस मंडल और जिला अध्यक्ष के संगठन चुनाव पर है। हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में दिल्ली में हुई बैठक में मिली गाइडलाइन के बाद प्रदेश संगठन ने यह कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला के बाद पार्टी संगठन बुधनी और विजयपुर उपचुनाव को लेकर भी चर्चा करेगा।

कांग्रेस पदाधिकारियों का होगा त्रैमासिक मूल्यांकन

कसौटी पर खरे नहीं उतरे तो होगी छुट्टी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। लंबी ऊहापोह के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति का गठन हो चुका है। सभी पदाधिकारियों को दायित्व भी मिल गया है। अब कांग्रेस पार्टी की प्रदेश इकाई ने तय किया है कि इन सबके कामों का त्रैमासिक मूल्यांकन किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों को प्रतिमाह अपने कामकाज का ब्यौरा प्रदेश कांग्रेस को देना होगा। इसमें दौरे, बैठकों और कार्यक्रमों की जानकारी रहेगी। वहीं, जिला और ब्लॉक इकाइयों से भी प्रदेश पदाधिकारियों की गतिविधियों का फीडबैक लिया जाएगा। इसके आधार पर मूल्यांकन होगा। जो भी कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा, उसकी छुट्टी करने का इरादा है।

कांग्रेस ने पहले छोटी कार्यसमिति बनाने का निर्णय लिया था। इसके हिसाब से 17 उपाध्यक्ष और 71 महासचिव बनाए गए। विरोध के स्वर उभरे तो 84 सचिव और 36 संयुक्त सचिव नियुक्त करके संतुलन साधने का प्रयास किया गया। महासचिवों को जिले का प्रभारी बनाया गया है और उनका सहयोग करने के लिए सचिव और सह सचिवों को सह प्रभारी बनाया है। इन्हें निर्देश दिए गए हैं कि सबको माह में कम से कम एक बार प्रभार के जिले का दौरा करना होगा। जिला और ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक करके संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करनी होगी। कांग्रेस द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रमों का नेतृत्व करने के साथ उसकी रिपोर्ट भी प्रदेश मुख्यालय को देनी होगी। इसके आधार पर कामकाज का त्रैमासिक मूल्यांकन होगा।

संगठन के कामों में रुचि न दिखाने वाले निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी कर दी जाएगी। इनके स्थान पर युवा नेताओं को मौका दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि सभी के कामकाज का मूल्यांकन करेंगे। सबका मकसद संगठन को मजबूत बनाना है। इसके लिए यह व्यवस्था बनाई गई है।

जिलों में होंगे प्रशिक्षण

पार्टी ने यह भी तय किया है कि संगठन को हर स्तर पर सक्रिय किया जाएगा। जिलों में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसमें बूथ स्तर तक के कार्यकताओं को आमंत्रित किया जाएगा।

प्रशिक्षण विभाग द्वारा पार्टी की रीति-नीति और कार्यक्रम बताए जाएंगे। इसके साथ ही भाजपा सरकार की वादाखिलाफी को मुद्दा बनाकर प्रदर्शन भी किए जाएंगे।

आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में प्रशिक्षणार्थियों ने टेलिस्कोप से देखा खगोल संसार

प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षणार्थियों ने समझा आकाशीय पिंडों का अनुशासन

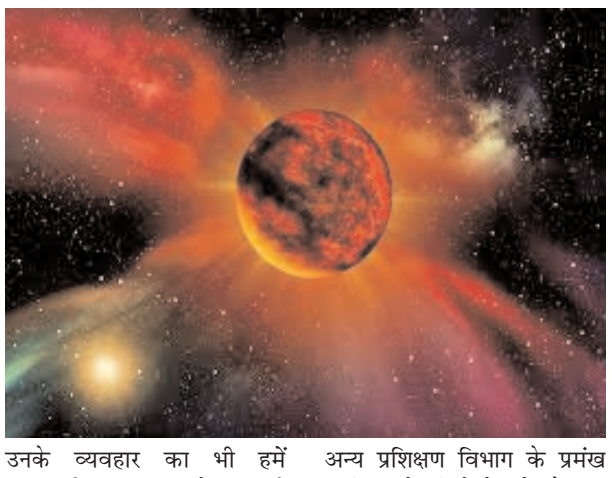

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। वर्तमान में पृथ्वी के नजदीक दिखते सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह गुरू और अपने रिंग के साथ सुंदरता बिखेरते शनि को साथ अन्य खगोलीय पिंडों का अवलोकन करने आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में महानिदेशक जेएन कांसोटिया की पहल पर आकाश दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने इसमें दो विशाल न्यूटोनियम टेलिस्कोप की मदद से खगोलीय पिंडों का अवलोकन कराया, इसके साथ ही इनकी टीम ने प्रजेंटेशन के द्वारा खगोलविज्ञान के विभिन्न गणितीय पहलुओं को सामने रखा। कार्यक्रम में जे एन कांसोटिया ने टेलिस्कोप से जुपिटर ,सेटर्न के अवलोकन के दौरान अपने संदेश में कहा कि आकाशीय पिंडों के अनुशासन एवं उनके व्यवहार का भी हमें प्रशासकीय दक्षता को प्रभावी बनाने अनुसरण करना चाहिये। इनके वैज्ञानिक पक्ष को समझते हुये अपने व्यवहार में अपनाना चाहिये।

खगोल विज्ञान को रोचक तरीके से समझाया

कार्यक्रम में अकादमी के डायरेक्टर मुजीबुर्रहमान खान तथा अन्य प्रशिक्षण विभाग के प्रमंख उपस्थित थे। रिसोर्स पर्सन के रूप में सारिका द्वारा विभिन्न चलित मॉडल की मदद से खगोल विज्ञान को रोचक तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के प्रशिक्षणर्थियों ने अपनी खगोलविज्ञान संबधी जिज्ञासा के उत्तर प्राप्त किये।

91 पिलर पर खड़ा होगा एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज

एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज के लिए बनेंगे 91 पिलर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बैरागढ़ मेन रोड पर प्रस्तावित एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज के लिए 91 पिलर तैयार किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग की निगरानी में मिट्टी की टेस्टिंग का काम पूरा हो गया है। सीहोर नाका एवं हलालपुर छोर के बाद अब संत हिरदारामजी की कुटिया के निकट तीसरे छोर पर भी काम शुरू कर दिया गया है। इसके निर्माण पर करीब 306 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

ब्रिज का काम सिंगल पिल्लर सिस्टम के तहत किया जाएगा। भविष्य में इसी ब्रिज के ऊपर मेट्रो लेन बिछाई जा सकेगी। हलालपुर से सीहोर नाका स्थित विसर्जन घाट तक बीआरटीएस लेन हटाने के साथ ही इसका काम प्रारंभ किया गया था। पिल्लर खड़े करने से पहले साइल एवं पाइल टेस्टिंग की गई।

टेस्टिंग के बाद प्रारंभिक काम किया जा रहा है। पिल्लर खड़े करने की तैयारी की जा रही है। पिल्लर खड़े करने की शुरूआत सीहोर नाका एवं संतजी की कुटिया के पास होगी। पहले इस ब्रिज को संत हिरदारामजी की कुटिया से थोड़ा आगे सीवेज पंप हाउस से शुरू किया जाना था। अब इसे हलालपुर के निकट से शुरू किया जा रहा है।

तीन जगह मिक्स लेन बंद हुई

बीआरटीएस मार्ग के बीच में बनी मिक्स लेन वाले हिस्से को अब बेरिकेड रखकर बंद किया गया है। मिक्स लेन कुछ समय में पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है किबाकी दोनों लेन से ट्रेफिक पहले की तरह संचालित होगा। ब्रिज बनाने का काम प्रारंभ होने से व्यापारिक संगठन संभावित तोड़फोड़ से चिंतित थे।

संत हिरदाराम मार्केट का कुछ हिस्सा टूटने की आशंका बनी हुई है लेकिन अधिकारियों का कहना है कि ब्रिज के लिए जितनी जगह चाहिए उतनी उपलब्ध है इसलिए तोड़फोड़ की संभावना नहीं है। ब्रिज की चौड़ाई करीब 26 मीटर रहेगी। यह काम लोक निर्माण विभाग की सेतू शाखा के माध्यम से किया जाएगा। भविष्य में ब्रिज के नीचे ही पार्किंग विकसित की जाएगी।

परीक्षण पूरा, 32 माह में काम पूरा

एलिवेटेड ब्रिज के लिए मिट्टी का परीक्षण दो स्तर पर पूरा किया जा चुका है। करीब 91 पिल्लरों पर ब्रिज खड़ा होगा। 32 माह में काम पूरा करने का प्रस्ताव है। अधिकांश काम रात के समय करेंगे ताकि व्यापारियों को परेशानी नहीं हो।

– रवि शुक्ला, ओएसडी, लोक निर्माण विभाग

एलिवेटेड ब्रिज योजना एक नजर में

चौड़ाई 26 मीटर
लंबाई 03 किलोमीटर
लेन संख्या 06 लेन
लागत लगभग 306 करोड़ रुपए

आरोपी ने पीड़िता को दी जान से मारने की धमकी, बाद में भी संबंध बनाने के लिए बनाने लगा दबाव

घर में अकेली पाकर विवाहिता से किया दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में एक विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी युवक उसके पड़ोस में रहता है और रिश्ते में देवर लगता है। घटना के वक्त महिला घर में अकेली थी। पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ घर में घुसकर ज्यादती करने का केस दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

छोला मंदिर थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 28 वर्षीय महिला गृहणी है। उसका पति एक निजी फर्म में नौकरी करता है। महिला के घर के पास ही रहने वाला युवक रिश्ते में उसका देवर लगता है। महिला ने शिकायत में पुलिस को बताया कि रोजाना की तरह 20 नवंबर को सुबह उसका पति अपने दफ्तर चला गया था। दोपहर के समय जब वह घर में अकेली थी, तभी पड़ोस में रहने वाला देवर उसके घर पहुंचा और डरा-धमकाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म कर दिया। साथ ही घटना के बारे में किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी देकर चला गया। भयभीत होने के कारण महिला ने घटना के बारे में किसी को कुछ नहीं बताया। उधर, देवर ने उस पर दोबारा शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाना शुरू किया, तो महिला मानसिक रूप से परेशान हो गई। आखिरकार उसने हिम्मत कर अपने पति को घटना की पूरी जानकारी दी। साथ ही पति के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी। इसके बारे में भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

ट्यूशन टीचर के पति ने 11 साल की बच्ची से की अश्लील हरकत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के अवधपुरी इलाके में रहने वाली 11 साल की बच्ची के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। बच्ची जिस महिला के घर कोचिंग पढ़ने जाती थी, उसी महिला के पति ने वारदात को अंजाम दिया है। कोचिंग की पढ़ाई के दौरान महिला जब भी किसी काम से दूसरे कमरे में जाती थी, तभी उसका पति बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करने लगता था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को मीडियाकर्मी बताता है।

पुलिस के अनुसार, 11 वर्षीय बच्ची निजी स्कूल में छठवीं कक्षा की छात्रा है। वह भेल इलाके की एक कॉलोनी में रहती है। हाल ही में उसने घर के करीब ही एक महिला के पास कोचिंग जाना शुरू किया है। कई दिनों से महिला का पति पत्नी के यहां-वहां होते ही बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। गुरुवार को आरोपी की पत्नी पास में ही गई हुई थी। बच्ची आरोपी के घर में ही थी। अकेलेपन का फायदा उठाकर आरोपी ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें की। उसके प्राइवेट पार्ट में भी छेड़खानी की।

कोचिंग जाने से मना किया को मां ने पूछा कारण

शुक्रवार को बच्ची ने कोचिंग जाने से मना कर दिया। मां ने वजह पूछी तो बच्ची रोने लगी। तब उसने मां को बताया कि अंटी की गौरमौजूदगी में अंकल गंदी हरकत करते हैं। उसने गुरुवार को आरोपी द्वारा की गई हरकत की पूरी जानकारी मां को दी। मां ने पिता को बताया, इसके बाद दंपती बच्ची को लेकर थाने पहुंचे। जहां काउंसिलिंग के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

पुलिस पर रौब झाड़ा

मामले की जांच के पुलिस ने जब आरोपी को अपनी बात देने के लिए बुलाया तो वह फोन पर ही रौब झाड़ना शुरू कर दिया। आरोपी नितिन स्वयं को अखबार का संपादक बता रहा है। पुलिस पर रौब झाड़ने के लिए उसने कई अधिकारियों के नाम ले डाले। जब उससे पत्रकार होने के प्रमाण मांगे गए तो एक कार्ड दिखाया। जो दो साल पहले ही एक्सपायर हो चुका था। यह कार्ड एक अखबार का कार्ड था।

सम्पादकीय

यूपीआई भुगतान और लेनदेन को सुरक्षित करना सबसे जरूरी

मैलवेयर और स्पाईवेयर के जरिये फिशिंग अटैक अब बहुत अधिक आम हो चुके हैं। जैसे-जैसे यूपीआई की पहुंच बढ़ रही है और वह विदेशों में भी सफलतापूर्वक काम कर रहा है तो यह महत्वपूर्ण है कि उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाई जाए और लोगों को धोखाधड़ी से बचाया जाए। धोखाधड़ी से प्रभावी ढंग से बचने में उपभोक्ताओं का अनुभव और जोखिम की निगरानी शामिल है। इसके साथ ही वित्तीय संस्थानों मसलन बैंकों आदि को तकनीकी कंपनियों के साथ तालमेल करके सुरक्षा, डेटा निजता और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन में नए दौर के उपायों को शामिल करना होगा।

बीते कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान लेनदेन में उल्लेखनीय इजाफा देखने को मिला है। बहरहाल, देश के डिजिटल भुगतान परिदृश्य में इस असाधारण वृद्धि के साथ ही धोखाधड़ी के मामलों में भी इजाफा हुआ है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में संसद के सामने जो आंकड़े पेश किए वे दिखाते हैं कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से जुड़ी धोखाधड़ी की रकम 2023-24 में 1,087 करोड़ रुपये हो गई जो 2022-23 के 573 करोड़ रुपये से 85 फीसदी अधिक थी। भुगतान संबंधी धोखाधड़ी के मामले भी 2022-23 के 7.25 लाख से बढ़कर 2023-24 में 13.4 लाख तक पहुंच गए। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत में यूपीआई भुगतान धोखाधड़ी के 6.32 लाख मामले सामने आए। इनमें करीब 485 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी। ये आंकड़े चिंताजनक हैं और भविष्य में इसका इस्तेमाल करने वालों को प्रभावित कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान लेनदेन का कुल आकार 2017-18 के 2,017 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 18,737 करोड़ हो गया। इस दौरान चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 44 फीसदी रहा। इसी तरह समान अवधि में लेनदेन का मूल्य 11 फीसदी सीएजीआर के साथ 1,962 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3,635 लाख करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में लेनदेन का आकार करीब 86.59 अरब रहा जबकि कुल लेनदेन का मूल्य 1,669 लाख करोड़ रुपये का था। डिटिजल लेनदेन में यूपीआई सबसे बड़ा माध्यम था। कुल लेनदेन में यह करीब 80 फीसदी का हिस्सेदार रहा और कम भुगतान करने वाले लोगों का सबसे पसंदीदा माध्यम रहा। इस संदर्भ में भुगतान और लेनदेन को सुरक्षित करना सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। अतीत में कई पहल की गईं ताकि देश में डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को नियंत्रित किया जा सके। इसमें बहुकारक प्रमाणन व्यवस्था, रोजाना लेनदेन की सीमा और यूपीआई ऐप्लीकेशंस में इनक्रिप्शन तकनीक का इस्तेमाल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) भी यूपीआई की सुरक्षा मजबूत करने को लेकर सक्रिय रहा है और उसने बैंकों? को धोखाधड़ी वाले लेनदेन को नकारने के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से संचालित फ्रॉड मॉनिटरिंग प्रणाली की पेशकश की है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने भी 2019 में राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल की शुरूआत की ताकि डिजिटल भुगतान संबंधी धोखाधड़ी उजागर की जा सके। बहरहाल, जैसे-जैसे तकनीक का विकास जारी है, साइबर अपराधी भी बेहतर से बेहतर सुरक्षा उपायों को बेधने में सक्षम होते जा रहे हैं। मैलवेयर और स्पाईवेयर के जरिये फिशिंग अटैक अब बहुत अधिक आम हो चुके हैं। जैसे-जैसे यूपीआई की पहुंच बढ़ रही है और वह विदेशों में भी सफलतापूर्वक काम कर रहा है तो यह महत्त्वपूर्ण है कि उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाई जाए और लोगों को धोखाधड़ी से बचाया जाए। धोखाधड़ी से प्रभावी ढंग से बचने में उपभोक्ताओं का अनुभव और जोखिम की निगरानी शामिल है। इसके साथ ही वित्तीय संस्थानों मसलन बैंकों आदि को तकनीकी कंपनियों के साथ तालमेल करके सुरक्षा, डेटा निजता और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन में नए दौर के उपायों को शामिल करना होगा। ये फर्म्स धोखाधड़ी निरोधक डेटा एनालिटिक्स पर काम करती हैं और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और उन्नत अनुमान मॉडल की मदद से डिजिटल भुगतान में सुरक्षा जोखिमों और विभिन्न स्तरों पर धोखाधड़ी की आशंकाओं का पता लगाती हैं ताकि जोखिम कम किया जा सके।

भारत डिजिटल लेनदेन में अग्रणी देश है। खासतौर पर कम मूल्य वाले लेनदेन में जिसने उपभोक्ताओं और छोटे कारोबारियों को असीमित लाभ दिए हैं। ऐसे में धोखाधड़ी को रोका ही जाना चाहिए। एनपीसीआई और वित्तीय संस्थानों दोनों को तकनीकी सुधार और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस में जवाबदेही तय करने का समय आया...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन, अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

ANI

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आता है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं।

अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं!

वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूं तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूं। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया।

चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहां से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी।

अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन 'धनपशुओं' की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई।

अब जब कांग्रेस की टू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है। बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थी। हालांकि बैठक खत्म होने से पहले ही राहुल और प्रियंका निकल गए। इसी मीटिंग में मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के नेताओं के सामने जहां एक ओर इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए तमाम वजहों को गिनाया, वही उन्होंने ईवीएम का मुद्दा भी उठाया।

खड़गे का दो टूक कहना है कि पार्टी में अनुशासन की कमी और पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिये जीत नहीं मिल सकती। क्योंकि कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। उन्होंने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एक हो कर चुनाव नहीं लड़ेंगे, आपस में एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक अपने विरोधियों को राजनीतिक शिकस्त नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमें हर हाल में एकजुट रहना होगा। वहीं, उन्होंने पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डाले। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।

सच कहूं तो लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों में पार्टी की हुई करारी हार के बाद शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मीटिंग में खरगे द्वारा पार्टी की हार की वजहों का जिक्र कोई पहला मौका नहीं था, जब पार्टी ने अपनी कमियों की ओर इंगित किया हो। यह कड़वी सच्चाई है कि कांग्रेस समस्या जानती है, उसका निदान और उपचार भी जानती है, लेकिन इसके लिए जो इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, वह पार्टी नेतृत्व में नजर नहीं आती। यही वजह है कि 2014 के आम चुनाव के बाद असेबली चुनावों में पार्टी की हो रही लगातार हार के बाद 2016 में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव दिग्विजय सिंह ने पार्टी में मेजर सर्जरी की जरूरत बताई थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं। उल्टे जी-23 में से ज्यादातर को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खड़गे द्वारा पार्टी की कमियों की ओर किया गया यह इशारा क्या वाकई पार्टी और नेताओं के भीतर कोई बदलाव लाएगा?

दफन हो चुके मुद्दों को भुलाना जरूरी

आजादी के 77 सालों में देश ने बहुत तरक्की की है। विश्व में भारत ने कई क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब चौथी और तीसरी बनने की तरफ तेजी से अग्रसर है। इसके बावजूद कुछ बुनियादी झंझटों से भारत मुक्त नहीं हो सका। इसके जिम्मेदार हैं देश के राजनीतिक दलों के नेता। नेताओं ने अपने चुनावी फायदे के लिए देश को कई बार सांप्रदायिकता की आग में झोंका है। ऐसी समस्याओं से न सिर्फ सामाजिक समरसता में विघ्न पड़ा है, बल्कि देश की तरक्की के रास्ते में बाधा पड़ी है। उत्तर प्रदेश के संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद से हिंदू-मुस्लिम एकता में फिर से दरार पड़ी है। ऐसे विवाद देश में लगातार बने हुए हैं। संभल की जामा मस्जिद में मंदिर होने के प्रमाण के अदालत के सर्वे के बाद हिंसा भडक उठी। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस ने फायरिंग की जिसमें 5 लोग मारे गए। इस मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के बजाय इस पर जम कर वोटों की राजनीति की गई। मस्जिदों के स्थान पर मंदिर होने का मुद्दा नया नहीं है। इतिहास में ऐसे दफन हो चुके मुद्दों को उठाने से देश की एकता-अखंडता प्रभावित हो रही है। इसकी किसी को चिंता नहीं है। हकीकत में नेताओं को धार्मिक भावनाओं की नहीं, ध्रुवीकरण करके वोट बटोरने की आकांक्षा ज्यादा है। इन मुद्दों से सिवाय वोटों के फायदे के कुछ हासिल नहीं होगा। इससे तरक्की की रफ्तार पर लगाम जरूर लगती है। देश के नेता तो मानो ऐसे ज्वलनशील मुद्दों की तलाश में रहते हैं। बस उन्हें सिर्फ मौका मिलना चाहिए। सांप्रदायिकता की आग को बुझाने के बजाय उसमें घी डाल कर राजनीतिक हित साधने का नेताओं का रवैया पुराना है। संभल की घटना ने एक बार फिर पूजा स्थल अधिनियम 1991 पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस कानून को इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए पारित किया गया था। यह अधिनियम धार्मिक स्थलों के स्वरूप में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को प्रतिबंधित करता है और यह प्रावधान करता है कि 15 अगस्त 1947 को धार्मिक स्थलों का जो स्वरूप था, उसे बनाए रखा जाएगा। इस अधिनियम में दिए गए कुछ अपवादों को न्यायालयों ने अपने-अपने हिसाब से व्याख्यायित किया है। यही कारण है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों से निकलकर आए एक नए अपवाद ने इस अधिनियम को लगभग अप्रभावी बना दिया है। उपासना स्थल अधिनियम इस हद तक कमजोर हो चुका है कि भारत में बाबरी-अयोध्या जैसे नए विवादों की बाढ़ आ सकती है। संभल की इस मस्जिद के पहले इस तरह के आदेश पहले वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद के लिए भी दिए गए थे। पूजा स्थल विधेयक को लेकर 2019 में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर अपने फैसले में कहा था कि ऐतिहासिक गलतियों को कानून हाथ में लेकर ठीक नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक उपासना स्थलों के स्वरूप को बनाए रखते हुए संसद ने स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित किया है कि इतिहास और उसकी गलतियों का उपयोग वर्तमान और भविष्य को दबाने के लिए उपकरण के रूप में नहीं किया जाएगा। यह टिप्पणी पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 का संदर्भ देती है, जो 15 अगस्त 1947 के बाद से किसी भी धार्मिक स्थल के स्वरूप को बदलने की मांग को प्रतिबंधित करता है और ऐसा प्रयास करने वाले व्यक्ति को दंडित करने का प्रावधान करता है। 1991 में यह अधिनियम पारित हुआ और 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने इसके महत्व को दोहराया। अदालत ने 1991 के अधिनियम से एक अपवाद के रूप में स्वीकार किया क्योंकि यह 1947 से पहले की कानूनी प्रक्रिया से जुड़ा था। इससे लगा कि देश को सांप्रदायिक जहर से मुक्त कर दिया है। पर ऐसा हो नहीं सका। मौजूदा हालात ये हैं कि हर महीने कहीं न कहीं से खबर आती है कि यह मस्जिद पहले मंदिर या यह शिवाला था। इसमें बहुत सारे मामले कोर्ट में भी पहुंच चुके हैं। पूजा स्थल अधिनियम में मौजूद अपवाद और इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पेश किया गया नया अपवाद, ढेर सारे विवादों को कानूनी और सामाजिक रूप से बढ़ावा दे रहा है। अयोध्या में राममंदिर का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट से हल होने और मंदिर बन जाने के बाद लगा था कि भारत धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। इसके बावजूद यह मुद्दा सच्चाई नहीं बन सका। अब देश में अलग-अलग स्थानों पर मंदिर-मस्जिद का मुद्दा सुलग रहा है। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में कुछ समय पहले हिंदू पक्ष के वकील ने दावा किया था कि देश में केवल काशी और मथुरा की मस्जिदें ही विवादित नहीं हैं, बल्कि इनकी संख्या कहीं ज्यादा है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने अदालत में कहा था कि भारत भर में विवादित मस्जिदों और स्मारकों की संख्या लगभग 50 है। इनमें कुछ प्रमुख ऐसी हैं जहां भविष्य में कभी भी विवाद बढ़ने के आसार बन सकते हैं। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि अब पुरानी बातों को भूलने का वक्त है। उन्होंने कहा था कि रामलला के साथ भारत का गौरव लौट कर आया है। इसके अलावा हमें सबको साथ लेकर चलना है, अब विवादों से बचना होगा। इसके बावजूद मथुरा में शाही मस्जिद, धार (मध्यप्रदेश) में भोजशाला परिसर, दिल्ली में कुतुब मीनार, लखनऊ में टीली वाली मस्जिद, अजमेर में मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, मध्य प्रदेश में कमाल-उद-दीन मस्जिद, वाराणसी की धरहरा मस्जिद, बंदायूं की शाही इमाम मस्जिद सहित देश में और कई स्थानों पर विवादों को हवा देने में कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों पर ऐसे विवादों के मद्देनजर कई बार पूजा स्थल अधिनियम में बदलाव की मांग की जा चुकी है,

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार भारत की संवेदनशील जिम्मेदारी

बांग्लादेश, जो 1971 में भारत के समर्थन से स्वतंत्र हुआ, एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी समाज के आदर्श पर आधारित था। परंतु बीते कुछ दशकों में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं, पर बढ़ते अत्याचार इस आदर्श को चुनौती देते नजर आते हैं। मंदिरों पर हमले, हिंदुओं की संपत्ति पर कब्जा, दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों में व्यवधान और हाल ही में इस्कॉन प्रमुख की गिरफ्तारी ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इन घटनाओं ने न केवल बांग्लादेश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया है, बल्कि भारत जैसे पड़ोसी देश के लिए भी चिंता की लकीर खींच दी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को दशकों से असहिष्णुता और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों पर हमले और अफवाहों के आधार पर सामूहिक हिंसा इस बात का प्रमाण हैं कि वहां धार्मिक अल्पसंख्यक कितने असुरक्षित हैं। 2021 के कुमिल्ला कांड और 2023 में इस्कॉन प्रमुख की गिरफ्तारी जैसी घटनाएं इस असहिष्णुता को और उजागर करती हैं। इस्कॉन, जो शांति और आध्यात्मिकता का प्रतीक है, बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए एक प्रमुख संगठन है। ऐसे संगठन के प्रमुख को निशाना बनाना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज के मनोबल को तोड़ने की कोशिश है।

भारत की भूमिका और जिम्मेदारी

भारत को न केवल इन घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए, बल्कि प्रभावी ढंग से कार्रवाई भी करनी चाहिए। भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक संबंध हैं, जो भारत को इस विषय में हस्तक्षेप करने के लिए नैतिक रूप से बाध्य करते हैं।

कूटनीतिक दबाव

भारत को बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाना चाहिए कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यह दबाव द्विपक्षीय वार्ता, स्त्रष्ट और संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से दिया जा सकता है। भारत को यह स्पष्ट करना चाहिए कि धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बांग्लादेश के धर्मनिरपेक्ष संविधान और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

मानवीय और कानूनी सहायता

बांग्लादेश के हिंदू समुदाय को भारत से कानूनी और आर्थिक सहायता की जरूरत है। भारत उनके लिए एक मजबूत सहायता तंत्र बना सकता है, जिससे वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं को वैश्विक मंच पर उठाया जा सकता है।

शरणार्थी नीति का पुनर्मूल्यांकन

भारत को अपनी शरणार्थी नीति को बेहतर बनाना चाहिए ताकि बांग्लादेश से आने वाले हिंदू शरणार्थियों को सुरक्षा और नागरिकता दी जा सके। नागरिकता संशोधन अधिनियम (ष्ट) के तहत इन्हें वैध संरक्षण दिया जा सकता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक पहल

भारत को बांग्लादेश के साथ सांस्कृतिक और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देना चाहिए। धार्मिक सहिष्णुता और भाईचारे को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शैक्षिक परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देशों के लोगों को करीब लाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप

भारत को बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठन और वैश्विक मंचों के माध्यम से इस विषय पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय दबाव बांग्लादेश की सरकार को अल्पसंख्यकों के प्रति अपने रवैये को सुधारने के लिए बाध्य कर सकता है।

सुरक्षा और खुफिया सहयोग

भारत और बांग्लादेश के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत किया जा सकता है ताकि सामूहिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता की घटनाओं को रोका जा सके। भारत तकनीकी और खुफिया जानकारी साझा कर बांग्लादेश को सहायता प्रदान कर सकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार केवल वहां के अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों का हनन नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक चुनौती है।

भारत को न केवल एक पड़ोसी बल्कि एक जिम्मेदार देश के रूप में इस मुद्दे पर संवेदनशीलता और दृढ़ता से काम करना होगा। कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना, और सांस्कृतिक संवाद बढ़ाना—ये सभी कदम न केवल बांग्लादेश के हिंदुओं को राहत देंगे, बल्कि दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता को भी मजबूत करेंगे।

धार्मिक स्वतंत्रता और सह-अस्तित्व के बिना किसी समाज का विकास अधूरा है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की आवाज न दबाई जाए और वे अपने देश में सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

सर्दी शुरू, अलाव जलाने पंचायत का ध्यान नहीं ....यात्री परेशान तो जिम्मेदार मौन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, वर्तमान समय में धीरे धीरे समूचे क्षेत्र में तेज ठण्ड की शुरुआत हो गई है तहसील मुख्यालय लालबर्रा के ह्रदय स्थल लालबर्रा बस स्टैंड में प्रतिदिन रात्रि में तेज सर्दी होने से अलाव जलाने की मांग स्थानीय लोगों के द्वारा की जाने लगी है किंतु इसके जिम्मेदार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लालबर्रा,सरपंच अनीस खान ग्राम पंचायत पांढरवानी- लालबर्रा,वन परीछेत्र अधिकारी लालबर्रा के कानों में जु तक नही रेंग रही है। ज्ञात हो कि लालबर्रा बस स्टैंड में रात्रि में बड़ी संख्या में भोपाल,इंदौर,जबलपुर में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के अलावा भी ऑटो चालक, यात्रीगण व आम जनता का जमावड़ा लगा रहता है किंतु नगर मुख्यालय में सर्दी से बचने अलाव आग इत्यादि की व्यवस्था नही होने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इस हेतु आम जनता ने सीईओ जनपद पंचायत लालबर्रा,सरपंच ग्राम पंचायत लालबर्रा व वन परीक्षेत्र अधिकारी से लालबर्रा बस स्टैंड में सर्दी से बचने अतिशीघ्र अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है।

इंस्टाग्राम से शादी का झांसा, फिर दैहिक शोषण कटनी में युवक गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले में एक लव जिहाद का मामला प्रकाश ने आया है दअसल यह सिलसिला इंस्टाग्राम सोशल साइट से शुरू था। कटनी जिले के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र की एक हिन्दू युवती से साबिर नामक युवक ने पहले सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से ने चैटिंग की और धीरे-धीरे हिन्दू युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर लगातार 3 सालों तक काई बार उसका दैहिक शोषण किया। जब युवती ने शादी करने को कहा तो युवक साफ मुकर गया, और युवती को जान से खत्म कर देने की धमकी देने लगा। प्यार में छले जाने के बाद पीड़ित युवती ने महिला थाने का दरवाजा खटखटाया और अपनी अब बीती महिला थाना प्रभारी रश्मि सोनकर से बताई जिसके बाद महिला थाना प्रभारी ने शिकायत दर्ज करते हुए साबिर नामक युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए साबिर को अरेस्ट कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। महिला थाना प्रभारी रश्मि सोनकर ने बताया कि दिव्या (परिवर्तित नाम) की दोस्ती इस्टाग्राम पर साबिर अंसारी पिता जिया खान उम्र-32 साल निवासी बावली टोला थाना रंगनाथ नगर से हुई थी। इंस्टाग्राम पर दोस्ती करने के बाद उक्त युवक युवती ने शादी का झांसा देकर जबरजस्ती कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। लगातार तीन साल तक दैहिक शोषण का शिकार हो रही युवती ने जब उससे शादी करने को कहा तो उसने शादी करने से इनकार करते हुए जान से खत्म कर देने की धमकी देनी शुरू कर दी। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर महिला थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध धारा-87,64(1), 64(2)द्व,351 (2) बी. एन. एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए युवती ने कहा कि उसने कक्षा 9 वीं तक पढाई की है और घरू कार्य करती है। साबिर अंसारी पिता जिया खान उम्र-32 साल निवासी बावली टोला थाना रंगनाथ नगर जिला कटनी से करीब 03 साल पहले इंस्टाग्राम से उसकी पहचान हुई थी। जिसके बाद दोनो आपस में बात करने लगे। एक बार साबिर उसके घर आया और उसके साथ जबरजस्ती दुष्कर्म किया। युवती ने जब विरोध किया तो साबिर उसे विवाह करने की बात करने लगा। इसी प्रकार कई बार साबिर अंसारी ने उसके साथ शादी का प्रलोभन देकर जबरजस्ती दुष्कर्म किया। पीड़ित युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। पीड़ित युवती का कहना है कि उसका धोखेबाज आशिक उसे धोखा देकर अब किसी दूसरी लड़की से ब्याह रचाने की तैयारी कर रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई विवाहित की मौत

मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपाली में संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहित की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। जबकि ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुजफ्फरनगर जिले के थाना छपार के खामपुर गांव निवासी शब्बीर की पुत्री 24 वर्षीय शाजिया की शादी करीब सात माह पूर्व गांव गोपाली निवासी सऊद के साथ हुई थी। उसका शव कमरे में पडा मिला है। जबकि दुपट्टा पंखे में बंधा हुआ था। बताया गया है कि ससुराल के लोग उसे देवबंद के निजी चिकित्सक के यहां लेकर गए। जहां चिकित्सक ने भी जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विवाहिता की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजन भी गोपाली गांव पहुंच गए। शाजिया के गले पर निशान होने के कारण उन्होंने ससुराल पक्ष पर बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया। इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में हुई बैठक

शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद शिकायत को माना जाए निस्तारित - जिलाधिकारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आईजीआरएस माध्यम से प्राप्त लम्बित एवं डिफॉल्टर प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त मा0 मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री हैल्पालाइन, जिलाधिकारी संदर्भ, ऑनलाइन संदर्भ, पी0जी0 पोर्टल (भारत सरकार) के डिफाल्टर होने वाले संदर्भों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ करें। सभी प्रकरणों का समयान्तर्गत व डिफाल्टर होने से पूर्व निस्तारण किया जाए।

बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। असंतोषजनक निस्तारण एवं फीडबैक के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि असंतोषजनक फीडबैक की संख्या ज्यादा होने से जिले की ग्रेडिंग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। डीएम मनीष बंसल ने नवम्बर माह की जारी होने वाली रैंकिंग में निर्धारित समय के बाद निस्तारण एवं डिफॉल्टर करने वाले विभागों के अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारी इस पर ध्यान दें कि शिकायतों के गुणवत्तापरक निस्तारण में लापरवाही न हो। प्रकरणों में असंतोषजनक फीडबैक की संख्या को कम करें। शासन द्वारा विशेष जोर दिया जा रहा है कि समस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। जनशिकायतों का असंतोषजनक एवं गलत निस्तारण कतई न किया जाए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत को निस्तारित माना जाए। शिकायतों के निस्तारण की आख्या में जियोटैग फोटो लगाने के भी निर्देश दिए।

डीएम मनीष बंसल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विभाग का प्रकरण डिफाल्टर न हो। डिफाल्टर होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को कहा कि प्रतिदिन आईजीआरएस पोर्टल चौक करें। यदि कोई प्रकरण विभाग से संबंधित नहीं है तो उसे यथाशीघ्र वापस कर दें। शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत को निस्तारित माना जाए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरंतर अपने अधीनस्थों से भी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के बारे में जानकारी लेते रहें और आवश्यकतानुसार अपने उच्च स्तरीय अधिकारियों से भी मार्गदर्शन प्राप्त करते रहें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र समस्त उपजिलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोक्षायतन स्वास्थ्य मंदिर जिम के कारगर प्रयोग

शरीर सौष्ठव में केशव, सुमन्यु, शिवम ने मारी बाजी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मोक्षायतन स्वास्थ्य मंदिर जिम में शरीर सौष्ठव और योगाभ्यास कर रहे साधकों के सतत मूल्यांकन की शरीर सौष्ठव ऋ्रु श्री स्पर्धा में केशव वर्मा, सुमन्यु सेठ और शिवम वर्मा अपने वर्गों में अव्वल रहे। जबकि विष्णु, अर्पित धीमान, नारायण और आबान तय्यब रनर अप रहे। उधर दीर्घ प्राण ध्वनि ? उच्चारण में ललित वर्मा व शंख ध्वनि में बाजी आलोक श्रीवास्तव के हाथ रही। मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा 1971 से संचालित सहारनपुर के सबसे पहले जिमनेज़ियम स्वास्थ्य मंदिर जिम में आहार, जिम ट्रेनिंग और योगाभ्यास पर किए गए कारगर प्रयोगों के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं और अच्छी सेहत के लिए सात्विक शाकाहार, दूध आधारित खाद्य, सरसों तिल हल्दी और कच्चे मीठे के प्रयोग के साथ ही फूड सप्लीमेंट्स से परहेज बेहतर और टिकाऊ प्रभाव देने वाले सिद्ध हुए हैं। विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक की बॉडी बिल्डिंग स्पर्धाओं में लगातार दस साल निरंतर जीत दर्ज कराने के साथ ही योग साधना में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाले गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण ने कहा कि जिम का अच्छा नतीजा पाने के इच्छुक खिलाड़ियों की सफलता का आधार अभ्यास में धैर्य, निरंतरता और सात्विक लेकिन पौष्टिक भोजन है। रातों रात बॉडी बना लेने की चाह में फूड सप्लीमेंट्स, स्टीरॉयड व तामसी भोजन की तरफ लपकना धन और तन दोनों को ही नुकसान देता है। उन्होंने निरोग रहने व शरीर के साथ-साथ तेज दिमाग के लिए मोबाइल फोन के कम प्रयोग और ब्रह्मचर्य के उत्तम पालन की भी सलाह दी। प्रतियोगिता में डॉ अशोक गुप्ता, जिला योग संघ के अध्यक्ष एन के शर्मा, योग शिक्षक पूनम वर्मा, ध्यान प्रमुख विजय सुखीजा, संस्कार शिक्षा प्रभारी ललित वर्मा, मंजू गुप्ता व नेशन बिल्डर्स एकेडमी प्राचार्या इष्ट शर्मा, शिक्षक मिथलेश शर्मा, सुरभि सेठी, अजय यादव आदि उपस्थित रहे।

जिले में उद्यानिकी गतिविधियों एवं कृषि फसलों का निरीक्षण

जीआरएस का 15 दिवस का वेतन रोकने एवं पंचायत सचिव को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत ग्राम बिकलाखेड़ी में कलेक्टर ऋ्रु बाफना ने राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने राजस्व महाअभियान में पंचायत सचिव भगवती प्रसाद उमठ के अनुपस्थित रहने पर शोकाज नोटिस जारी करने एवं ईकेवायसी कार्य नहीं करने पर जीआरएस दिनेश सांवले का 15 दिवस का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इसके उपरांत कलेक्टर ने ग्राम रंथभंवर में सिकरवार वेयर हाउस उपार्जन केन्द्र में सोयाबीन उपार्जन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने समिति प्रबंधक ओमप्रकाश को निर्धारित मात्रा अनुसार सोयाबीन की तुलाई नहीं करने पर नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग गतिविधि अंतर्गत शाजापुर तहसील के ग्राम आला उमरोद के कृषक मिलन कठिया के प्रक्षेत्र पर ब्राडबेड पर ड्रिप पद्धति से लगी आलू फसल, दिलीप पटेल के प्रक्षेत्र पर ब्राडबेड पर मिनी स्प्रिंकलर पद्धति से लगी खरीफ लाल प्याज फसल, महेश कंठिया के प्रक्षेत्र पर ब्राडबेड पर मिनी स्प्रिंकलर पद्धति से लगी लहसून फसल का निरीक्षण किया। वहीं ग्राम बिकलाखेड़ी के कृषक दिलीप प्रजापति के प्रक्षेत्र पर लगी गेंदा, गुलाब, नौरंगा आदि फूल वाली फसलों तथा ग्राम तिलावद गोविन्द में मां अन्नपूर्णा कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सम्बंधित कृषकों, उद्यमियों से की जा रही खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली तथा कोल्ड स्टोरेज की तकनीकी, संचालन के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होने जिले के अन्य कृषकों को भी उन्नत उद्यानिकी तकनीक से खेती, खरीफ, प्याज, फूलों की खेती की और प्रेरित करने के लिए कहा। इसी तरह कलेक्टर ने कृषि विभाग अंतर्गत ग्राम तिलावद गोविन्द में कृषक संजय द्वारा लगाई गई लाल तुअर तथा ग्राम देंदला में कृषक ओमप्रकाश मालवीय के खेत में लगाई गई चना फसल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित कृषकों से चर्चा की तथा लागत एवं उससे होने वाली आय के बारे में जाना और अन्य कृषकों को भी प्रेरित करने लिए कहा।

नाबालिक बच्चों के द्वारा मोटरसाइकिल चलाते पाए जाने पर कोतमा पुलिस द्वारा वाहन स्वामी के खिलाफ 10 मोटरसाइकिलों में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की कार्यवाही

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनुपपुर, कोतमा नगर में नाबालिग स्कूली बच्चों के द्वारा तेज गति से मोटरसाइकिल चलाने एवं दुर्घटना करने एवं दुर्घटना होने की संभावना की शिकायत मिलने पर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में दिनांक 26/11/2024 को बच्चों के स्कूल टाइम पर दो अलग-अलग टीम बनाकर वाहनों की चेकिंग की गई तो स्कूली नाबालिग बच्चे मोटरसाइकिल चलाते पाए गए सभी बच्चे नाबालिक होने से 10 मोटरसाइकिल 01. MP18-MC-1694, 02. MP-18-MN-9315, 03. MP65-MB-2231 एवं नई सोल्ड यामहा बिना नंबर मोटरसाइकिल मौके से जप्त कर उक्त सभी वाहनों में वाहन स्वामी द्वारा नाबालिक , बिना लाइसेंस वाले बच्चों से वाहन चलवाते पाये जाने पर वाहन को मौके से जप्त कर वाहन स्वामी के खिलाफ धारा 4/181, 5/180 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है और यह कार्रवाई लगातार की जाएगी सभी सावधान हो जाएं अपने नाबालिक बच्चों को कोई भी वाहन चलाने ना दें यदि कोई घटना दुर्घटना होती है तो वाहन स्वामी की ही संपूर्ण जवाबदारी होती है, सावधान रहें यातायात के नियमों का पालन करें।

अमरकंटक स्थित मैकल पार्क का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

पार्क में पर्यटकों को आकर्षित करने गतिविधियों के आयोजन के दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने शुक्रवार को अमरकंटक के मैकल पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैकल पार्क में पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु एडवेंचर गतिविधियों के संबंध मे निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल, जन अभियान परिषद के जिला

समन्वयक श्री उमेश पाण्डेय, नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री भूपेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

शाजापुर में छह और शुजालपुर में तीन सालों से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, दुष्कर्म के साथ विभिन्न धाराओं में छह सालों से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बतोया कि शाजापुर की कृष्णा कॉलोनी में रहने वाला मनोज पिता यशवंत बैरागी दुष्कर्म सहित अन्य आपराधिक मामले में वर्ष 2018 से फरार चल रहा था। न्यायालय के द्वारा आरोपी का स्थाई वारंट जारी किया गया था जिसके पालन में साइबर सेल की मदद से मोबाइल लोकेशन के आधार पर विश्वास नगर थाना किशनगंज गुजरात से आरोपी को गिरफ्तार कर शाजापुर

न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजा गया है।

यहां भी धराया स्थाई वारंटी तीन वर्ष पहले जमानत मिलने के बाद फरार हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अकोदिया के अपराध क्रमांक 156/2021 धारा 363, 366 (क), 376 (3), 376 (2) (एन) भादवि, 3/4, 5 (एल)/6 पास्कों एक्ट में आरोपी निलेश पिता शिशुपाल उम्र 21 साल निवासी फ्रीगंज शुजालपुर को दिनांक 22 जून 21 को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय शुजालपुर में पेश कर जेल दाखिल किया था। इसके बाद आरोपी की जमानत होने के पश्चात वह फरार हो गया था। न्यायालय द्वारा कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए आरोपी की गिरफ्तारी के कई भरसक प्रयास किए गए परन्तु आरोपी का कोई पता नही चलने से दिनांक 13 अप्रैल 24 को न्यायालय द्वारा आरोपी का स्थाई वारंट जारी किया गया। शनिवार 30 नवंबर 24 को मुखबिर की सूचना के आधार पर स्थाई वारंटी आरोपी निलेश पिता शिशुपाल को गिरफ्तार कर न्यायालय शुजालपुर में पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी रामकिशन गौड़, कार्य सउनि खुशालसिंह मुनिया, प्रधान आरक्षक आनंद शर्मा, आरक्षक रवि रघुवंशी, बनवारी यादव, यासिर, तेजसिंह सेंधव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अध्यक्ष नारायण सोमानी ने कहा नीमच में बीते दिवस डी. पी. ज्वेलर्स के नवीन शोरूम का हुआ भव्य शुभारम्भ, प्रेस क्लब उपाध्यक्ष राहुल सिसोदिया ने किया बैखुबी मीडिया मेनेजमेंट, जननेता सोमानी ने कहा शोरूम का शुभारंभ होने से क्षेत्रवासियों एवं ग्राहको को समय व पैसे की हो रही है बचत

जावद। सांसद, विधायक साथ ही चुनाव के दौरान मीडिया मेजमेंट करते हुए सभी ने देखा और सुना है लेकिन जावद नगर का एक होनहार युवा पत्रकार ने एक सुप्रसिद्ध नवीन संस्थान का विज्ञापन मेनेजमेंट बैखुबी इमानदार तरीके से निभाया जिससे नगर क्या अपितु नीमच-मंदसौर जिले में इसकी चर्चा जौरो पर है। जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी ने बताया है दिनांक 21 नवम्बर 2024 गुरूवार को मध्यप्रदेश के स्वर्ण नगरी रतलाम के विश्वसनीय डी. पी. ज्वेलर्स नीमच में अपने 10वें शोरूम का नीमच स्थित टीचर कॉलोनी में भव्य शुभारम्भ हुआ। इसी भव्य शुभारंभ पर जावद प्रेस क्लब उपाध्यक्ष राहुल सिसोदिया द्वारा मीडिया विज्ञापन मेजमेंट बैखुबी से निभाया जो जावद प्रेस क्लब एवं जावद वासियों के लिए गर्व की बात है। अध्यक्ष नारायण सोमानी ने आगे बताया नीमच जिले रहवासी डी. पी. ज्वेलर्स के अनुभवी कारीगरों द्वारा निर्मित कलात्मक और पारम्परिक आभूषणों के लेटेस्ट कलेक्शन का लाभ नीमच स्थित शोरूम पर जाकर ले रहे है। जननेता सोमानी ने कहा ग्राहको को रतलाम नही जाना पड रहा है जिससे समय और पैसे की बचत हो रही है। आपको बतादे कि इस भव्य शुभारम्भ पर जावद तहसील में एक मात्र जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी को शुभारंभ का आमंत्रण मिला इसके लिए प्रेस क्लब की टीम को गर्व है।

जिले में 30 नवंबर तक उर्वरक के वितरण और स्टॉक की स्थिति

उज्जैन, । उपसंचालक कार्यालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार 30,नवंबर को जिले में यूरिया का 283 मेट्रिक टन, डीएपी का 63 मेट्रिक टन और काम्प्लेक्स का 96 मेट्रिक टन वितरण किया गया है। इसके पश्चात यूरिया की 9667 मेट्रिक टन, डीएपी का 1267 मेट्रिक टन और काम्प्लेक्स का 2130 मेट्रिक टन स्टाक शेष है।

मन से मंदसौर वेबसाइड के माध्यम से विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन करेगा शव वाहन मोक्ष रथ भेंट

मंदसौर विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन एक सर्वसुविधायुक्त शव वाहन को 1 दिसम्बर रविवार को अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर को भेंट करेंगा। यह दान मन से मंदसौर वेबसाइट के माध्यम से किया जाएगा। मन से मंदसौर वेबसाइट के माध्यम से कोई भी दानदाता जरूरतमंद व्यक्ति को दान कर सकता है। साथ ही जरूरतमंद व्यक्ति दान लेने के लिए भी इस वेबसाइट के माध्यम से पंजीयन कर सकता है। विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन के फाउण्डर सीए प्रतिक डोसी ने अपने पिता स्व. श्री प्रकाशचंद्र जी डोसी कर सलाहकार की स्मृति में एक शव वाहन डोनेट करने के घोषणा की थी। उसी के तहत यह सर्वसुविधायुक्त शव वाहन बनकर तैयार हो चुका है जिसे 1 दिसम्बर को अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर को भेंट किया जायेंगा जिसका संचालन यह कमेटी करेंगी।

क्या है विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन कोविड 19 की भीषण महामारी के एक वर्ष पहले असित्त्व में आया। जो मुख्य तौर पर मेडिकल उपकरण उपलब्ध करवाता है। इस संस्था के माध्यम से जरूरतमंद लोगों मेडिकल उपकरण जैसे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर,ऑक्सीजन सिलेंडर, वॉकर, स्टीक,पलंग, स्टीम बैड, व्हील चेयर आदि उपकरण जरूरत के लिए दिये जाते हे जिन्हें व्यक्ति अपने उपयोग के बाद लौटा देते है। फाउण्डेशन विगत पांच वर्षो से यह कार्य कर रहा है। फाउण्डेशन अब मंदसौर में जरूरत को देखते हुए सर्व सुविधायुक्त शव वाहन देने जा रहा है।

क्या है अन्न क्षेत्र कमेटी अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर नगर में शमशान घाट का संचालन करती है। शमशान घाट पर सभी प्रकार की सुविधाएं यह कमेटी उपलब्ध करवाती है। विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन द्वारा दिये जाने वाले इस शव वाहन का संचालन आगे से अन्न क्षेत्र कमेटी मंदसौर ही करेंगी।

शव वाहन की सुविधाएं विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन के फाउण्डर सीए प्रतिक डोसी ने बताया कि उक्त शव वाहन में हर प्रकार की सुविधाओं को ध्यान में रखा गया है। इसमें मॉच्युरी फिजर बॉक्स, साउण्ड सिस्टम, फूल मशीन, कैमरा, पानी व्यवस्था, सिढी निशनी, थाली रखने का स्थान आदि का विशेष ध्यान रखा गया है। यदि किसी शव कुछ देर रखना पडे इसलिए मॉच्युरी फिजर बॉक्स इसमें दिया है। गमी हुए परिवार के उपर बैण्ड का अतिरिक्त खर्च न आयें इसलिए साउण्ड सिस्टम भी लगवाया गया है। गमी हुए परिवार के कोई सदस्य किसी कारण वश अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो तो उनके कैमरा दिया गया है जिसमें अंतिम यात्रा को रिकार्ड किया जा सकेंगा ताकि परिजन बाद में यह देख सकें और अंतिम दर्शन कर सकें।

जिला प्रशासन द्वारा नीमच में जिला स्तरीय औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन कार्यशाला सम्पन्न

नीमच में जल्दी ही औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन सुविधा केंद्र प्रारंभ होगा

नीमच नीमच में जल्दी ही औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन फेसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किया जाएगा। इसकी तैयारियां प्रारंभ हो गई है। इससे निवेशकों, उद्योगपतियों को सुविधा मिलेगी।यह जानकारी जिला प्रशासन द्वारा शनिवार को नीमच जिले में औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में दी गई।

जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अथक प्रयासों से शनिवार को जिला स्तरीय औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, श्री दिलीप सिह परिहार, श्री अनिरूद्ध मारू, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एसपी श्री अंकित जायसवाल, फेडरेशन आफ इंडियन एक्पोर्ट आर्गेनाईजेशन के म.प्र.प्रमुख श्री अमित बरेठा, विदेश व्यापार निदेशालय के श्री प्रशांत बोकाडे, एमएसएमई विकास संस्थान इंदौर के सहायक निदेशक श्री आई तिर्के सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, मण्डी व्यापारी, उद्योगपति, पहली बार उद्योग लगाने के इच्छुक ट्रेडर्स, उद्योग संघ के प्रतिनिधि, पदाधिकारी, आदि उपस्थित थे। कार्यशाला के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा, कि शासन प्रशासन का नये निवेशकों को बेहतर सहयोग मिल रहा है। युवा जिले में औद्योगिक निवेश के लिए आगे आए और निवेश कर नवीन उद्योग लगाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी औद्योगिक विकास एवं निवेश को बढावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। उन्होने कहा, कि एम.एस.एम.ई. सेक्टर का बजट 2019 में 6700 करोड़ था, जो आज बढ़कर 22 हजार करोड से अधिक हो गया है। नीमच औषधीय फसलों के लिए सुप्रसिद्ध क्षेत्र है, निवेश के लिए साहसी व्यापारियों के पीछे सरकार खड़ी है। सरकार शासन प्रशासन द्वारा नये औद्योगिक निवेषकों को हर संभव सहयोग किया जा रहा है। विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा, कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश का अच्छा वातावरण, एवं सुविधाएं उपलब्ध है। एम.एस.एम.ई सेक्टर में जिले में 2019-20 में 65 करोड़ का फायनेंस हुआ था, जो वर्ष 2023-2024 में बढ़कर 800 करोड़ से अधिक हो गया है। सरकार की नई औद्योगिक पॉलिसी एवं एमएसएमई पालिसी से औद्योगिक विकास हो रहा है। उन्होने उपस्थित निवेशकों से औषधीय उत्पादों, प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने का आव्हान किया। विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने विश्वास दिलाया, कि नीमच में निवेशकों को कोई असुविधा नहीं होगी। उन्होंने कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योग लगाने की अपील की। विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने कहा, कि उद्योगपतियों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान किया जा रहा है, इससे नये उद्योग अवश्य आएंगे। उन्होने कॉलेजों में युवाओं को कार्यशाला आयोजित कर औद्योगिक विकास के लिए प्रेरित करने

का सुझाव भी दिया। उन्होने कहा, कि जिले में प्रोसेसिंग क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं है। नीमच में पांच सौ हेक्टेयर का लैण्ड बैंक उपलब्ध औद्योगिक फेसिलिटेशन सेंटर जल्दी ही होगा प्रारंभ जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि औद्योगिक निवेश के लिए जिले के ट्रेडर्स, व्यापारियों और निवेशकों को सरकार द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विभिन्न सुविधाएं, ऋण अनुदान प्रदान किए जा रहे है। उद्योगपति, निवेशक अपने सुझाव व समस्याओं से अवगत कराए, उनका समाधान किया जावेगा। कलेक्टर ने कहा, कि जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में जल्दी ही एक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन फेसिलिटेशन सेंटर प्रारंभ किया जा रहा है। निवेशकों, उद्योगपतियों को इस फेसिलिटेशन सेंटर से औद्योगिक निवेश एवं उद्योग स्थापना संबंधी संपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। कलेक्टर ने कहा, कि जिले में 500 हेक्टेयर से अधिक का लैण्ड बैंक तैयार होकर भूमि उद्योग, एम.एम.एम.ई विभाग को आवंटित की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने कहा, कि जिले में सुरक्षित वातावरण है। उन्होने कहा, कि सुरक्षा की दृष्टि से उद्योगो के लिए नीमच जिले में काफी सुरक्षित माहौल है। एसपी ने सभी से साईबर फ्राड के प्रति सतर्क एवं जागरूक रहने का आव्हान भी किया। राजस्थान के भीलवाडा से आकर उद्योगपति नीमच में लगा रहे नये उद्योग राजस्थान के भीलवाडा से आकर नीमच में सफल उद्योगपति बने श्री सुमित जागोरिया ने अपनी सफलता की कहानी बया करते हुए कहा, कि भीलवाडा से 15-20 उद्योगपति नीमच में आकर अपने उद्योग लगा रहे हैं। ऐसे में नीमच के निवेशकों को भी आगे आना चाहिए। प्रदेश व जिले में औद्योगिक निवेश का अच्छा अवसर है और सुविधाएं है। उन्होने म.प्र.की एम.एस.एम.ई. पालिसी की सराहना करते हुए इसे निवेशकों के लिए लाभदायक बताया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का लाभ उठाकर उद्योग स्थापित करने वाले नीमच के श्री जीत किलेवाला ने भी अपनी सफलता की कहानी बया की। कार्यक्रम को उद्योगपति श्री रघुराज सिह चौरडिया, मण्डी व्यापारी श्री नवल मित्तल ने भी अपने साझा किए। महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने जिले में स्थापित नवीन उद्योग, कलस्टर डेवलपमेंट, उपलब्ध लैण्ड बैंक एवं सुविधाएं औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध भूखण्ड, नीमच के निवेश के लिए अवसर एवं सम्भावनाएं, सुविधांए, एम.एस.एम.ई. पालिसी की विशेषताओं आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया। एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान के निदेशक श्री आई.तिर्के ने एम.एस.एम.ई. पालिसी, कलस्टर डेवलपमेंट, प्रोजेक्ट एप्रुवल प्रक्रिया, वित्तीय सहायक, कॉमन फेसीलिटी सेंटर आदि के बारे में बताया। फेडरेशन आफ इण्डियन एक्सपोर्ट आर्गेनाईजेशन के म.प्र.प्रमुख श्री अमित बरेठा ने उत्पादों के निर्यात संबंधी जानकारी पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी। विदेश व्यापार महा निदेशालय इंदौर के प्रतिनिधि श्री प्रशांत बोकाड़े ने उत्पादों की निर्यात संबंधी प्रक्रिया नियम आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में कृषि, डेयरी, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की सम्भावनाओं पर आधारित प्रजेन्टेशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना एवं बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रश्नोत्तर एवं सुझाव सत्र मे उपस्थितजनों की जिज्ञासाओं प्रश्नों का समाधान भी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। संचालन श्रीमती मंजूलाधीर ने किया तथा अंत में महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने आभार माना। नवीन उद्योगो की स्थापना के लिए हितलाभ वितरित इस मौके पर सांसद श्री गुप्ता व अतिथियों ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत श्री रोहित कुमार को अगरबत्ती उद्योग के लिए 10 लाख रूपये, पी.एम.एफ.ई.योजना के तहत दुग्ध प्रसंस्करण ईकाई के लिए प्रीतेश राठौर को 57.41 लाख रूपये एवं उमर फारूकी को गार्लिक प्रोसेसिंग उद्योग के लिए 10.92 लाख रूपये का हितलाभ भी वितरित किया गया। प्रारंभ में सांसद श्री गुप्ता ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। अधिकारियों एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

विद्युत करण्ट से मृत्यु होने पर 4 लाख रू. की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मन्दसौर /मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना की कण्डिका 4(01) अनुसार कृषि कार्य करते हुए मुत्यु हो जाने परआर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। जिसके तहत निवासी धुंधड़का के हरिगिर गोस्वामी की करण्ट लगने से मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम वारिस पत्नि पुष्पा गोस्वामी को 4 लाख रूपये की आर्थिक मदद मंजूर की गई है।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना घायल होने पर 50 हजार रू. की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मन्दसौर अज्ञात वाहन से दुर्घटना में घायल होने पर 50 हजार रू. की आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृतकलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने प्रदान की है। मोटरयान दुर्घटना पीडित प्रतिकर स्कीम 2022 के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल होने पर आर्थिक सहायता का प्रावधान है। इस प्रावधान के तहत अज्ञात वाहन से घायल होने पर ईश्वरलाल पिता देवराम गायरी निवासी सेजपुरिया, तहसील व जिला मन्दसौर को 50 हजार रू. की आर्थिक सहायता मंजूर कि गई।

कृषक अपने खेत पर फसल अवशेष नहीं जलायें - कलेक्टर श्रीमती गर्ग

मंदसौर /कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया गया जिले में गेंहू की फसल काटने के उपरांत कोई भी कृषक अपने खेत पर फसल अवशेष नहीं जलायें। यदि कोई व्यक्ति/संस्था गेंहू/धान की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों को जलाता है तो मुआवजा अदा करना होगा।01 एकड़ या उससे कम भूमि धारक 2500 रू प्रति घटना, 02 एकड़ या उससे अधिक लेकिन 05 एकड़ से कम भूमि धारक 5000 रु प्रति घटना, 05 एकड़ या उससे भूमि धारक 15000 रूपये प्रति घटना के अनुसार मुआवजे का प्रावधान होगा।

शामगढ सुवासरा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना अंतर्गत सिंचाई से संबंधित शिकायतों के लिए 07425-299142, 07422-299165, 07422-181 संपर्क करें

मंदसौर शामगढ सुवासरा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के परियोजना प्रशासक श्री प्री.सी. सांकला द्वारा बताया गया कि, शामगढ सुवासरा परियोजना कियान्वयन इकाई कार्यालय द्वारा संचालित शामगढ सुवासरा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत पानी के लीकेज होने, पाइपलाइन फूटने, खेत में पानी भरने, सिंचाई से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु निम्न हेल्पलाईन नम्बर पर कृषक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। शिकायत प्राप्त होने पर उसका तुरंत समाधान किया जाएगा। 07425-299142 शामगढ कन्ट्रोल रूम07422-299165 मन्दसौर कन्ट्रोल रूम07422-181 मन्दसौर कन्ट्रोल रूम है।

मेहमान प्रवक्ता स्टेनोग्राफर एवं सेकेटेरियल असिस्टेन्ट अंग्रेजी के लिए आवेदन 5 दिसम्बर तक करें

मन्दसौर संस्था प्रमुख शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सीतामऊ द्वारा बताया गया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सीतामऊ मेहमान प्रवक्ता स्टेनोग्राफर एवं सेकेटेरियल असिस्टेन्ट अंग्रेजी व्यवसाय के लिए नियुक्त करने हेतु आवेदक 5 दिसम्बर कार्यालयीन समय पर आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन के लिए आवश्यक योग्यता स्नातक डिग्री, आई.टी.आई. से संबंधित व्यवसाय में एनटीसी/एसटीसी प्रमाण पत्र, पॉलिटेक्निक से एम ओ एम में स्टेनोग्राफी अंग्रेजी के 100 शप्रमि उत्तीर्ण के साथ डिप्लोमा, स्टेनोग्राफी अंग्रेजी 100 शप्रमि उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, सीपीसीटी अंग्रेजी टाइपिंग के साथ उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र एवं कम से कम 1 वर्ष का मान्यता प्राप्त संस्था का कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की छाया प्रति होना आवश्यक है। पद हेतु आवेदकों का चयन संचालनालय कौशल विकास द्वारा निर्धारित योग्यता के प्राप्तांको एवं अनुभव के आधार पर किया जाएगा।

बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन करना हुआ आसान - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

170 रुपये का भुगतान कर बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन कराएं

मन्दसौर / ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से विद्युत कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है। अब उपभोक्ताओं को उनके परिसरों में पूर्व से विद्यमान कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करना बेहद आसान हो गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर से संबंधित नाम में परिवर्तन करना है वह कंपनी की वेबसाइट https://portal.mpcz.in/web/ में एलटी सर्विसेस के एलटी अदर सर्विसेस में दिये गये नेम ट्रांसफर अथवा सीधे *https://saralsanyojan.mpcz.in/:}}}}/home* पर जाकर अदर यूजफुल लिंक्स में दिये गये अप्लाय फॉर अदर सर्विसेस के माध्यम से आसानी से करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि विद्युत उपभोक्ताओं को नाम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के दौरान अपना आईवीआरएस नंबर,संबंधित समग्र आईडी,पैन कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के उपरांत लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर निर्धारित शुल्क 170 रूपये का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन देने के पश्चात उपभोक्ता आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं।

म.प्र. सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रबंधन में होगा देश का अग्रणी राज्य - उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

16 लाख से ज्यादा कर्मचारियों के वित्तीय डाटा का प्रभावी प्रबंधन

प्रति वर्ष होगा 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजेक्शन

मैनेजमेंट पेपरलैस, कांटेक्टलेस एवं फेसलेस होगा

मन्दसौर / उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने बताया है कि मध्यप्रदेश वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। वित्त विभाग महत्वाकांक्षी एकीकृत वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था करने जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेस एवं मशीन लर्निंग आधारित उत्कृष्ट साफ्टवेयर को मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य के रूप में क्रियान्वित करेगा। साफ्टवेयर से राज्य के 10.2 लाख कर्मचारी, 5.6 लाख पेंशनभोगी, 5917 संवितरण कार्यालय, सम्पूर्ण प्रदेश का बजट एवं समस्त विभाग लाभान्वित होंगे। इसके माध्यम से प्रदेश के प्रति वर्ष 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजैक्शन किया जावेगा। मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य है, जहां इतनी बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के वित्तीय डाटा का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का प्रयोग कर प्रबंधन किया जायेगा। अब यह व्यवस्था पूरी तरह से पेपरलेस, कान्टैक्टलेस एवं फेसलेस होगी। साथ ही एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर यूजर फ्रेंडली होगा। ये कार्यक्रम आज आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में IFMIS Ne&t Gen परियोजना के लिए प्रीबिड कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। नेक्स्ट जनरेशन का एडवांस अत्याधुनिक सॉफ्टवेयरङ्कआईएफएमआईएस नेक्स्ट जेन को क्रियान्वित करने के लिए म.प्र. सरकार समन्वित तैयारी कर रही है। वित्त विभाग ग्लोबल टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के अनुरूप नवीन वित्तीय प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है। इस महत्वपूर्ण परियोजना में आईटी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों की टीम काम कर रही है। अब तक आईटी क्षेत्र की 28 कंपनियों ने सॉफ्टवेयर तैयार करने में अपनी रूचि दिखाई है। प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी ने आईटी कंपनियों को बिड में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया एवं कंपनियों के अनुभव तथा श्रेष्ठतम रिसोर्स से राज्य को लाभान्वित करने के लिये अनुरोध किया। आयुक्त, कोष एवं लेखा श्री लोकेश कुमार जाटव ने इस परियोजना को राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी बताते हुए कहा कि यह डिजिटल गवर्नेंस की एक अनूठी परियोजना है जो देश में एक आदर्श उदाहरण स्थापित करेगी।

टाटा प्रोजेक्ट्स 15 दिसंबर तक प्रगति दिखाएं अन्यथा टर्मिनेशन की कार्रवाई करने के निर्देश प्रमुख सचिव ने दिए

उज्जैन में निर्माण एजेंसियां समयबद्ध तरीके से कार्य करें।

सिंहस्थ पहले सभी निर्माण कार्य पूर्ण करें

प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन ने उज्जैन नगरी विकास के कार्यों की समीक्षा की

उज्जैन, । प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला ने शनिवार 30 नवंबर को प्रातः कलेक्टर सभागृह में उज्जैन के नगरी प्रशासन के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान टाटा प्रोजेक्ट कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृत 1 और अमृत 2 प्रोजेक्ट के अंतर्गत सिवरेज प्रोजेक्ट समय पर पूरा करें इसके लिए 15 दिसंबर तक प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार कर दिन प्रतिदिन की उपलब्धियां शेयर करें अन्यथा कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई की जावेगी। प्रमुख सचिव ने हाउसिंग बोर्ड की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कार्यशैली में सुधार लाएं और उज्जैन सीमा के अंतर्गत चल रहे प्रोजेक्ट को दिए गए समय में पूरा नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की है। प्रमुख सचिव ने समीक्षा के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण के चल रहे कार्यों को समीक्षा करते हुए कहा कि व्यावसायिक गतिविधियों को व्यवसायिक तरीके से ही संचालित करें। कार्य की लागत उसके अनुपात में प्राप्त होने वाली राशि के आधार पर कार्य करें। महाकाल भक्त निवास मॉल और विक्रम नगर के पास आने वाले प्रोजेक्ट के लिए भी दिशा निर्देश दिए हैं। नगर निगम के कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यों को अलग-अलग वर्गीकृत किया जावे जो कार्य चल रहे हैं। उनकी अलग सूची बनाई जावे और जिन कार्यों के प्रस्ताव लंबित है उनकी अलग सूची बनाकर

कार्य किया जावे। इन सूचियां को लगातार अपडेट भी किया जाए इसके साथ ही प्रमुख सचिव ने देवास गेट बस स्टैंड को बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर ही कार्य करने के संबंध में सुझाव दिए हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ ने बताया कि नानाखेड़ा व्यावसायिक से आवासीय भवन जिला परिसर का अगले माह उद्घाटन हो जाएगा। इसके साथ ही इसमें बनाए गए आवासीय परिसरों पर कमर्शियल के आधार पर ही कार्य किया जा रहा है। शिप्रा बिहार में भी एक अतिरिक्त आवासीय परिसर की योजना लाई जा रही है इसके साथ ही भक्त निवास और मॉल के लिए भी समय पर कार्य चल रहा है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के संबंध में भी प्रमुख सचिव ने कहा कि सभी कार्यों को व्यवसायिकता के आधार पर ही सुनिश्चित किया जाए जिससे कि प्रोजेक्ट के संचालन में समस्या ना हो और राशि की उपलब्धता स्थानीय स्तर पर भी संभव हो। बैठक में सिंहस्थ संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए भी बताया गया कि उज्जैन में तीन जगह मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्था के प्रस्ताव हैं। इसके साथ ही 5 से अधिक मार्गों पर चौड़ीकरण का काम और इसी प्रकार अन्य कार्यों के प्रस्ताव की बात रखी गई। गीता वन निर्माण के संबंध में प्रमुख सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गीता वन का निर्माण पर्यावरण अनुकूलन के हिसाब से किया जावे इसमें मानव सहयोगी और आध्यात्मिक स्वरूप का प्रतिरूप पर हो। इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत और खुले खुले परिसर होना चाहिए जिसमें आध्यात्मिक के साथ अध्ययन के लिए भी पर्याप्त माहौल होना चाहिए। बैठक में संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री संदीप सोनी, स्मार्ट सिटी के सीईओ और इसी के साथ अन्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हम होंगे कायमब पखवाड़ा अंतर्गत विक्रम विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

उज्जैन,। हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत गत दिवस विक्रम विश्वविध्यालय की डॉ अंबेडकर पीठ मे एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.अर्पण भारद्वाज द्वारा की गयी। उनके द्वारा समस्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सुसंस्कृत संस्कारवान समाज एवं राष्ट्र निर्माण हेतु बेटियों को पढ़ाना, उनकी सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। बेटियों के बिना परिवार समाज एवं राष्ट्र कि कल्पना नहीं की जा सकती है। हमारे समाज राष्ट्र को सदैव बेटियों ने अपने साहसिक कार्यों से गोरवान्वित किया है। बेटियाँ शुभकामनाएँ है जिनकी शुभ इच्छा भावना से परिवार, समाज एवं राष्ट्र खुशहाल एवं पल्लवित होता है। वर्तमान

समाज मे अनेक परिवर्तनों से बेटियों कि स्थिति में बदलाव आया है और यह संभव हो पाया है स्वस्थ्य एवं सकारात्मक सोच कि वजह से। कार्यशाला तीन सत्र मे सम्पन्न हुई। जिनमे जेंडर एवं सामाजिक नियम, समाज मे प्रचलन चुनौतियाँ एवं अवसर, उज्जैन जिले मे बाल संरक्षण के मुद्दे चुनौतियाँ एवं अवसर, बालकों एवं महिलाओं हेतु महिला बाल विकास विभाग कि योजनाएँ एवं कार्यक्रम बेंडर फॉरम का गठन, प्रक्रिया एवं गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला में तराना, घटिया, माहिदपुर, उन्हेल, बड़नगर, नागदा, खाचरोद माकड़ोन एवं कायथा के प्राध्यापकों एवं विध्यार्थियों ने सहभागिता दी। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में आदित्य बिरला फ़ाउंडेशन के सोश्ल सायकोलोजिस्ट श्री निखिल मिश्रा, श्री रोहित वर्मा स्टेट कोरडीनेटर, महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सुश्री प्रियंका जायसवाल, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी एवं यूनिसेफ के जिला समन्वयक श्री नीलेश दुबे द्वारा विषयगत बारीकियों संभावित कार्ययोजना एवं रणनीति पर विमर्श किया । कार्यशाला का संयोजन डॉ अंबेडकर पीठ कि सहायक प्राध्यापक डॉ निवेदिता वर्मा ने किया।

कृषि कार्य करते समय करंट लगने से मृत्यु

4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

उज्जैन, । अपर कलेक्टर द्वारा जानकारी दी गई की ग्राम जलोदिया तहसील बड़नगर निवासी प्रभु अहीर की 03 जुलाई को खेत में कार्य करने के दौरान ट्यूबवेल की मोटर चालू करते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बड़नगर के प्रतिवेदन पर स्व. प्रभु की वारिसान पत्नी श्रीमती वर्षा को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत किए जाने की अनुशंसा की गई थी। इस संबंध में कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने नीरज उर्फ काला को 6 माह के लिए जिला बदर किया

उज्जैन, । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने थाना कोतवाली क्षेत्र निवासी नीरज उर्फ काला पिता दिलीप सोनी को 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया है। कलेक्टर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के तहत कलेक्टर ने नीरज उर्फ काला को उज्जैन जिला एवं उज्जैन जिले से लगे सीमावर्ती जिले देवास, इंदौर, शाजापुर, रतलाम, मन्दसौर, धार एवं आगर-मालवा की राजस्व सीमा से 6 माह की अवधि के लिए निष्कासित किया है। कलेक्टर ने संबंधित को आदेश दिया है कि 48 घण्टे के अंदर उक्त जिलों की सीमाओं से बाहर चला जाए और अपने आचरण में सुधार करे। साथ ही जिलों की सीमाओं में 6 माह तक प्रवेश न करे और वापिस न लौटे। नीरज उर्फ काला के विरूद्ध कोई प्रकरण उज्जैन जिले में स्थित न्यायालय में चल रहा हो तो वह नियत पेशी पर उपस्थित हो सकेगा।

स्कूली छात्रों को वाहन संबंधित अधिनियमों के संबंध में जागरूक किया

उज्जैन। उज्जैन जिले में शनिवार 30 अक्टूबर को बालकों से संबंधित विभिन्न अधिनियमों हेतु जागरूकता कार्यक्रम स्कूल के बच्चों, बस चालक, क्लीनर्स एवं कंडक्टर हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी श्री संतोष मालवीय ,जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री साबिर अहमद सिद्दीकी,जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चंद्रेश मंडलोई एवं वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती वीणा बोरासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलवाई गई।

उपभोक्ता अधिकार संगठन पदाधिकारीयो ने ग्राम सिरपुर के हॉट बाजार में उपभोक्ता जागरूक ता अभियान की रैली निकाली

प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी के नेतृत्व में

बुरहानपुर/सिरपुर शहर मुख्यालय से बीस किलोमीटर दूर आज शनिवार 30 नवंबर को ग्राम सिरपुर में उपभोक्ता अधिकार संगठन जिला बुरहानपुर के जिला अध्यक्ष दिनेश मोहन पाटील के सहयोग से सभी संगठन के पदाधिकारीयो ने मिलकर आज ग्राम सिरपुर के शनिवार साप्ताहिक हॉट बाजार में उपभोक्ता अधिकार संगठन जागो ग्राहक जागो अभियान के बैनर तले हॉट बाजार में रैली निकाल कर उपभोक्ताओं को जागो

ग्राहक जागो बिल लेकर देखो एवं ठगी का शिकार ना हो एवं कोई भी वस्तु का मोल भाव कर के खरीदें इसी संदेश के साथ सभी पदाधिकारीयो ने एक साथ अपनी आवाज लगाई एवं ठगी के शिकार होने पर संगठन के पदाधिकारीयो से संपर्क करें यह जानकारी भी दी ग्राम सिरपुर के साप्ताहिक हाट बाजार में आसपास के ग्रामीण के निवासी उपभोक्ता महिला पुरूष भी बड़ी संख्या में हॉट बाजार में मौजूद रही उपभोक्ताओं की जागरूकता संदेश जानकारी सुनी एवं ग्रामीणो को अपने अधिकारों के प्रति जागृत किराया गया तथा उन्हें अपने अधिकारों के बारे में अवगत कराया गया इस उपभोक्ता अधिकार संगठन की जागरूकता अभियान रैली में उपस्थित संगठन के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष दिनेश मोहन पाटील, कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रीतम महाजन, उपाध्यक्ष संतोष पाटिल, कोषाध्यक्ष गोपाल कालेकर, प्रवक्ता ममता कोरि, रेखा पुणेवाला, गोपाल ठाकुर, श्रीराम पवार महाराज, छगु शेख एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे!

सहकार भारती का जिला सम्मेलन सम्पन्न जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न

,बड़वानी सहकारिता के क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर कार्यरत संस्था सहकार भारती का जिला सम्मेलन सह निर्वाचन कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमे वक्ताओं ने सहकारिता के क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों एवं अवसरों पर प्रकाश डाला एवं जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने सहकार भारती संस्थापक डॉक्टर लक्ष्मणराव इनामदार एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात सहकारिता गीत दीपक राठौर मंडवाड़ा ने लिया, अतिथियों सर्वश्री धीरेन्द्र शुक्ला मालवा प्रांत प्रमुख इंदौर, अभिनव शुक्ला इंदौर संभाग प्रभारी , रमेश जी मालवीय पूर्व प्रांत प्रमुख, श्रीमती आशा कुमरावत, दीपक जी शर्मा प्रांत प्रमुख हिंदू जागरण मंच एवं गोविंद तिवारी जिलाध्यक्ष सहकार भारती का स्वागत पुष्पमालाओं से किया गया। तत्पश्चात राजेश राठौड़ सहकार भारती के जिले में विगत 3 वर्ष में किए कार्यों के बारे में विवरण दिया, स्वागत भाषण गोविंद तिवारी ने दिया। वक्ताओं धीरेन्द्र शुक्ला, अभिनव शुक्ला, रमेश मालवीय एवं दीपक शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारिता असीम संभावनाओं से जुड़ा क्षेत्र है, जिसमे एक दूसरे के सहभाग से विकास किया जाता है, सहकारिता क्षेत्र की शुद्धि, वृद्धि एवं समृद्धि के लिए सहकार भारती कार्य कर रही है। बिन संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार के उद्घोष वाक्य के साथ सहकार भारती सम्पूर्ण देश के प्रत्येक जिले में कार्यरत है। बड़वानी जिले में सहजारिया के माध्यम से विकास की असीम संभावनाएं है जिसके

माध्यम से बड़वानी जिला पिछड़ेपन से विकसित जिलों की श्रेणी में शामिल हो सकता है, निकट भविष्य में इंदौर दुग्ध संघ का विभाजन कर निमाड़ दुग्ध संघ एवं जिला सहकारी बैंक खरगोन का विभाजन कर बडवानी जिला सहकारी बैंक का गठन होगा। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के निर्वाचन में जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिला संगठन प्रमुख एवं जिला महिला प्रमुख, तहसील अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ प्रमुख का निर्वाचन एवं घोषणा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से धीरज यादव बडवानी जिलाध्यक्ष, सुनील शुक्ला पानसेमल जिला महामंत्री, राजेश राठौड़ बड़वानी जिला संगठन प्रमुख एवं श्रीमती संगीता लोह बडवानी जिला महिला प्रमुख निर्वाचित घोषित हुई, साथ ही साख संस्था प्रकोष्ठ प्रमुख हीरालाल संचेती खेतिया, प्राथमिक कृषि सहकारी समिति प्रमुख राजेंद्र भावसार अंजड़ एवं बड़वानी तहसील अध्यक्ष राजेश राठौड़ प्रिंस घोषित किए गए। आभार श्री कमल यादव ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिले भर से सहकारिता क्षेत्र से जुड़े सदस्य एवं मातृ शक्ति उपस्थित थी

कांग्रेस की मजबूती के लिए सब एक साथ हो कर करें प्रयास विधायक झूमा सोलंकी

खेतिया खेतिया से लगा ग्रामीण क्षेत्र कांग्रेस का सदैव ऊर्जा बना रहा है शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में एकजुट रहकर प्रयास करने से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी,प्रदेश कांग्रेस द्वारा तय किये स्तर तक संघठन की इकाइयां गठित करना है उक्त विचार मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष विधायक झूमा सोलंकी ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खेतिया की संघटनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहें। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा नवगठित मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की सदस्यों को संगठन की मजबूती हेतु प्रभार वाले जिलों व क्षेत्र में भृमण हेतु निर्देशित किया जिसके चलते खरगोन जिले के भिकनगांव की विधायक मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष झूमा सोलंकी को बड़वानी जिले का प्रभारी एवं पेटलावद के पूर्व विधायक वालसिंह मेढ़ा को सह प्रभारी नियुक्त किया जिसके चलते अपने निर्धारित कार्यक्रम अनुसार संगठन की मजबूती व संगठन के कार्यों को गति देने के लिए आज खेतिया पहुंचकर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक की।

बैठक में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया, सहप्रभारी मेडा ने कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रयास की सराहना की वही संघठन की मजबूती हेतु सुझाव भी दिए।जिला कांग्रेस अध्यक्ष नानेश चौधरी ने संघठन को लेकर कोई ढिलाई न बरतने की बात कही,बैठक को डॉ राजू पटेल व राजेश नाहर ने भी सम्बोधित किया। बैठक में आये सुझावों अनुसार आगामी बैठक ग्रामीण भाग में रखने की घोषणा की गई। मप्र कांग्रेस के निर्देश पर संगठन की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने, कार्यकर्ताओं से सुझावों लेकर संघठन की मजबूती हेतु आयोजित बैठक में कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश सोनीस, शहर अध्यक्ष सदाशिव मराठे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाबू रतन चौधरी, किशन ऐसीकर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष राजेश नाहर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष संजय निकुंम ॠजैकी ॠ , राजेंद्र टाटिया, शेखर भावसार, संतोष पटेल, दिलीप आरंभी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष रामू पदमौर, अनिल चौधरी, लालू जायसवाल, राजेश चौहान,शकील मंसूरी,फारुख ठेकेदार, अजहर शेख, किशोर चौधरी, किशोर पाटिल, पंडित गवले, राहुल पाटिल,डाकिया भोंसले,उगेश भोसले, चेतन जैन अभिमन्यु गोसावी, रवि चौधरी,संजय चौहान, रमेश पटेल ,भागीरथ जाधव ,राजू गायकवाड वरिष्ठ कांग्रेस जनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ता व ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित रहे बैठक का संचालन इमरान कुरैशी ने व आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सोनिस ने व्यक्त किया

ग्राहकों से कहा-तुरंत कर लें शॉपिंग वर्ना..

ट्रंप की टैरिफ धमकियों से अमेरिकी व्यापार जगत में हड़कंप

इंटरनेशनल डेस्क: डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद संभावित टैरिफ प्रस्तावों ने अमेरिकी व्यापार जगत में चिंता बढ़ा दी है। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति द्वारा आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की योजना से उपभोक्ता खर्च पर बड़ा असर पड़ सकता है। रिटेलर्स ने ग्राहकों को चेताया है कि कीमतें जल्द ही बढ़ सकती हैं, इसलिए शॉपिंग में देरी न करें। नेशनल रिटेल फेडरेशन के एक अध्ययन के मुताबिक, टैरिफ लागू होने से अमेरिकी खरीदारों की वार्षिक व्यय क्षमता में 78 बिलियन डॉलर की कमी होने की संभावना है। राष्ट्रपति ट्रम्प का यह कदम अमेरिकी व्यापारियों की मुश्किल बढ़ा सकता है वहीं वैश्विक टैरिफ युद्ध शुरू कर सकता है ।

टैरिफ प्रस्तावों का असर

ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के दौरान आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने का वादा किया था। इन प्रस्तावों का मकसद अमेरिकी निर्माण को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना है। इसके अंतर्गत-

चीनी वस्तुओं पर 60% टैरिफ।

अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर 10-20% अतिरिक्त शुल्क।

मैक्सिको और कनाडा से आयात पर 25% टैरिफ।

चीन से आने वाले सामान पर अतिरिक्त 10% शुल्क।

ग्राहकों को चेतावनी क्यों

अमेरिकी रिटेलर्स और व्यवसायों का कहना है कि प्रस्तावित टैरिफ से आयातित सामानों की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे रोजमर्रा की खरीदारी महंगी हो जाएगी। कई प्रमुख कंपनियों ने संभावित टैरिफ के असर को अपने मार्केटिंग अभियानों में शामिल नहीं किया है, लेकिन छोटे व्यवसायों ने ग्राहकों को चेताया है। छोटे व्यापार मालिकों ने चिंता जताई है कि टैरिफ के कारण कीमतें इतनी बढ़ जाएंगी कि ग्राहक खरीदारी से बचने लगेंगे। इससे उनका कारोबार प्रभावित होगा। महंगे उत्पादों के कारण उपभोक्ता खर्च में कमी आ सकती है और लोग खरीदारी में अधिक चयनशील हो सकते हैं।

रिटेलर्स की अपील

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता खर्च के कमजोर होने के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। कंपनियां भी टैरिफ के प्रभाव को लेकर असमंजस में हैं। बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है, जिससे व्यवसाय और ग्राहक दोनों चिंतित हैं। अमेरिकी रिटेलर्स ने ग्राहकों से आग्रह किया है कि संभावित मूल्य वृद्धि से पहले ही खरीदारी कर लें। उनका कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद साबित होगा क्योंकि टैरिफ लागू होने के बाद सामान महंगा हो सकता है। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप प्रशासन किन टैरिफ योजनाओं को लागू करेगा और उनका असर कितना गहरा होगा। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि टैरिफ नीतियों से अमेरिकी बाजार में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिससे न केवल उपभोक्ताओं, बल्कि व्यापारियों और छोटे व्यवसायों को भी गंभीर आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप ने भारत सहित *BRICS* देशों को दी 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी

कहा- कोई दूसरा बेवकूफ़ ढूंढो

इंटरनेशनल डेस्क:अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने BRICS समूह के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने BRICS देशों को यह वादा करने को कहा है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का उपयोग नहीं करेंगे।डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, BRICS देशों द्वारा डॉलर से दूर जाने की कोशिशों का दौर अब खत्म हो चुका है। अगर BRICS देश अमेरिकी डॉलर की जगह कोई नई मुद्रा लाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, उन्हें अद्भुत अमेरिकी बाजारों में अपनी उपस्थिति से हाथ धोना पड़ेगा।

ट्रंप ने यह भी कहा कि BRICS को यह स्पष्ट करना होगा कि वे न तो नई साझा मुद्रा बनाएंगे और न ही डॉलर का विकल्प लाने का प्रयास करेंगे।ट्रम्प का यह कदम वैश्विक टैरिफ़ युद्ध शुरू कर सकता है । ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि वह ब्रिक्स को डॉलर से दूर जाते हुए खड़े होकर नहीं देखेंगे।ट्रंप ने सुझाव दिया कि ब्रिक्स देश कोई दूसरा मूर्ख ढूंढ सकते हैं, लेकिन समूह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर को किसी अन्य मुद्रा से प्रतिस्थापित नहीं कर पाएगा। 2009 में स्थापित BRICS एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय समूह है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। हाल ही में इस समूह में ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे नए सदस्यों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, तुर्की, अज़रबैजान और मलेशिया जैसे कई देशों ने सदस्यता के लिए आवेदन किया है। बीते कुछ वर्षों में ब्रिक्स देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डॉलर के विकल्प के तौर पर ब्रिक्स की अपनी मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि भारत अभी तक ऐसे किसी कदम में शामिल नहीं रहा है।

ट्रंप ने इन देशों से मांगा वादा

ट्रंप ने भारत, रूस, चीन और ब्राजील समेत नौ देशों के समूह ब्रिक्स से यह वादा करने को कहा कि अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी मुद्रा का इस्तेमाल नहीं करेंगे। ट्रंप ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को ऐसे किसी भी कदम को लेकर आगाह किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर लिखा, ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम मूकदर्शक बनकर देखते रहें, वह दौर अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि वे देश वादा करें कि वे न तो नयी ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा और उन्हें अद्भुत अमेरिकी बाजारों में अपना सामान बेचने की उम्मीद छोड़ देनी होगी।

पुतिन दे चुके चुनौती

बीते कुछ वर्षों में BRICS देशों, खासकर रूस और चीन ने अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और अपनी साझा मुद्रा विकसित करने के प्रयास तेज किए हैं। अक्टूबर में रूस के कज़ान में आयोजित BRICS शिखर सम्मेलन में गैर-डॉलर आधारित लेनदेन और स्थानीय मुद्राओं को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई थी।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका पर डॉलर का हथियार बनाने का आरोप लगाया और इसे बड़ी गलती बताया। उन्होंने कहा, हम डॉलर का उपयोग करना बंद नहीं करना चाहते, लेकिन अगर हमें बाध्य किया गया, तो हमें विकल्प खोजना पड़ेगा।अक्टूबर के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन ने कहा, यह हम नहीं हैं जो डॉलर का उपयोग करने से इनकार करते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अगर वे हमें काम नहीं करने देते, तो हम क्या कर सकते हैं? हमें विकल्प तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ता है। रूस ने स्विफ्ट नेटवर्क के विकल्प के रूप में एक नई भुगतान प्रणाली की वकालत की है, जिसका उद्देश्य पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करना और अपने भागीदारों के साथ व्यापार को सुविधाजनक बनाना है।

वैश्विक आर्थिक प्रभाव

अगर BRICS देश अपने प्रयासों में सफल होते हैं, तो यह वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। हालांकि, भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था ने अभी तक डॉलर का विकल्प लाने के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी नहीं की है।ट्रंप का यह कदम संभावित रूप से एक नए टैरिफ युद्ध का कारण बन सकता है, जो वैश्विक व्यापार और कूटनीति पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

भारत के दबाव के आगे झुका कनाडा

राजनीतिक शरण देने की अपनी नीति में किया बदलाव

इंटरनेशनल डेस्क। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। इस तनाव के बीच कनाडा ने भारत के दबाव के आगे झुकते हुए राजनीतिक शरण देने की अपनी नीति में बदलाव कर दिया है। कनाडा सरकार ने 29 नवंबर से नए आवेदन स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है। इसके तहत जिन लोगों को शरण दी जाएगी उनके आवेदन की बारीकी से जांच की जाएगी।

कनाडा में शरण मांगने की प्रक्रिया में बदलाव

कनाडा सरकार ने आदेश जारी किया है कि 29 नवंबर 2023 से शरणार्थियों के निजी प्रायोजन (क्क्क) कार्यक्रम के तहत पांच के समूहों और सामुदायिक प्रायोजकों से नए आवेदन अस्थायी रूप से स्वीकार नहीं किए जाएंगे। यह नियम 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा। इस नियम के मुताबिक 29 नवंबर से पहले जो भी आवेदन प्राप्त हुए हैं उन्हें ही कनाडा में बसाने पर विचार किया जाएगा। कनाडा इस समय हर साल 23,000 शरणार्थियों को बसाता है लेकिन अब इन शरणार्थियों के आवेदन की सख्त जांच की जाएगी।

यह निर्णय विशेष रूप से पंजाब के उन युवाओं को प्रभावित करेगा जो कनाडा में शरण लेने के लिए आवेदन कर रहे थे। इस मौके पर सुखविंदर नंदा एसोसिएशन आफ कंसलटेंट फार ओवरसीज स्टडीज के सचिव ने बताया कि इस साल 30 से 40 हजार से अधिक विद्यार्थी और टूरिस्ट वीजा पर कनाडा जाने वाले लोग शरण लेने की कोशिश कर रहे हैं। हर साल लगभग 1.5 लाख छात्र स्टडी वीजा पर कनाडा जाते हैं जिनमें से कई लोग बाद में राजनीतिक शरण लेने की कोशिश करते हैं।

झूठे शरण आवेदन पर कड़ा रुख

कनाडा के इमिग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि बड़ी संख्या में छात्र राजनीतिक शरण के लिए आवेदन करते हैं जिनमें से कई का दावा झूठा होता है। मंत्री ने कहा कि अधिकतर मामलों में शरण के लिए वैध कारण नहीं होते जैसे कि आर्थिक तंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आवेदन देने के लिए इमिग्रेशन सलाहकार जिम्मेदार होते हैं जो अनैतिक सलाह देते हैं। कनाडा का इमिग्रेशन विभाग अब उन सलाहकारों पर कड़ी नजर रखेगा जो शरण के दावों को बढ़ावा देते हैं। संगरूर के पूर्व सांसद और शिअद (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीत सिंह मान ने पिछले साल यह स्वीकार किया था कि उन्होंने पंजाब के 50,000 युवाओं को राजनीतिक शरण के लिए पत्र जारी किए थे। उन्होंने माना कि वह प्रति पत्र 50,000 रुपये लेते थे। इन पत्रों के जरिए शरणार्थी अपनी कथित पीड़ा और अत्याचार की कहानियां बताते थे। सिमरनजीत ने यह भी कहा था कि वह इस धन का उपयोग अपनी पार्टी चलाने में करते थे।

कनाडा में अलगाववादी रैलियों में शामिल होना

पंजाब से कनाडा जाने वाले कई छात्र अलगाववादी रैलियों में जानबूझकर भाग लेते हैं, ताकि वे अपनी तस्वीरें मीडिया में दिखाकर शरण लेने के लिए आवेदन कर सकें। यह रणनीति अक्सर उन युवाओं द्वारा अपनाई जाती है, जो कनाडा में स्थायी रूप से बसने के लिए शरण के आवेदन देना चाहते हैं। कनाडा का यह नया कदम भारत के दबाव और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से जुड़ा हुआ है।

बन गया नया कानून, अब सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टी

इंटरनेशनल डेस्क: बेल्जियम ने सेक्स वर्कर्स के लिए रोजगार अनुबंधों पर एक श्रम कानून को मंजूरी दे दी है। इसी के साथ बेल्जियम ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, बेल्जियम की संसद ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को इस कानून को मंजूरी दे दी, जिसके पक्ष में 93 वोट पड़े, 33 ने मतदान से परहेज किया और इसके खिलाफ कोई वोट नहीं पड़ा। यह कानून सेक्स वर्क को एक पेशे के रूप में मान्यता देता है और इसमें नौकरी से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं, जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, मातृत्व अवकाश, और सिक लीव।

सेक्स वर्कर्स को मिलेंगे श्रम अधिकार

यह कानून सेक्स वर्कर्स को उनके कार्यस्थल पर कानूनी सुरक्षा और अधिकार प्रदान करता है।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी अचानक हो गईं लापता

इंटरनेशनल डेस्क:पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। वह 19 करोड़ पाउंड के कथित भ्रष्टाचार मामले में अदालत में पेश नहीं हुई हैं, जिसके बाद उनकी तलाश के लिए पुलिस और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो छापेमारी कर रहे हैं। बुशरा बीबी पिछले आठ सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुईं, जिसके कारण अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। लाहौर हाई कोर्ट के जस्टिस नासिर जावेद राणा ने बुशरा बीबी की पेशी से छूट की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद, NAB ने रावलपिंडी और पेशावर में कई स्थानों पर छापेमारी की। हालांकि, अब तक बुशरा बीबी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

बुशरा बीबी और इमरान खान पर ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी द्वारा लौटाई गई 19 करोड़ पाउंड की रकम के दुरुपयोग का आरोप है। यह धनराशि पाकिस्तान के राष्ट्रीय खजाने में जमा होनी थी, लेकिन इसे अल-कादिर ट्रस्ट के तहत निजी लाभ के लिए उपयोग किया गया। बुशरा बीबी पर आरोप है कि उन्होंने झेलम में अल-कादिर विश्वविद्यालय के लिए 458 कनाल भूमि अधिग्रहण में गड़बड़ी की। इस मामले में, बुशरा और इमरान दोनों ट्रस्टी के रूप में शामिल हैं।

23 नवंबर को NAB की टीम पेशावर में बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने पहुंची थी। जब टीम ने उनके निवास पर गिरफ्तारी वारंट दिखाया, तो वह वहां मौजूद नहीं थीं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि बुशरा बीबी का पता लगाने के लिए छापेमारी जारी है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत, जहां इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में है, में बुशरा बीबी के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। विपक्षी दल इस मामले को लेकर इमरान खान और उनकी पार्टी पर निशाना साध रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसा दौरान वकील की हत्या के मामले में 9 लोग गिरफ्तार

ढाका. बांग्लादेश के चटगांव में हुई हिंसा के दौरान एक वकील की हत्या के मामले में कम से कम नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सहायक लोक अभियोजक सैफुल इस्लाम की हत्या में संलिप्तता के लिए 46 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से अधिकतर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सफाई कर्मचारी हैं। इस्लाम की उम्र 30 वर्ष के आसपास थी। यह घटना मंगलवार को हिंदू समुदाय के नेता चिन्मय कृष्ण दास के समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के दौरान हुई थी।

इससे पहले चटगांव की एक अदालत ने दास को जमानत देने से इनकार करते हुए जेल भेज दिया था। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता दास को राजद्रोह के एक मामले में सोमवार को यहां हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। चटगांव कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी अब्दुल करीम ने कहा, सैफुल इस्लाम के पिता ने कल रात 46 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। करीम ने बताया कि अधिकांश आरोपी शहर की सेबोक कॉलोनी के निवासी हैं, जहां अधिकतर हिंदू समुदाय से जुड़े सफाई कर्मचारी रहते हैं।

उन्होंने बताया कि नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान 26 नवंबर को हुई हिंसा के घटनास्थल यानी अदालत परिसर के सीसीटीवी फुटेज से हुई है। पुलिस ने बताया कि चंदन दास नामक व्यक्ति मुख्य आरोपी है, जिसे वकील पर धारदार हथियार से हमला करते देखा गया। इस घटना से देशभर में आक्रोश फैल गया और वकील तथा राजनीतिक समूह सड़कों पर उतर आए तथा इस्लाम के हत्यारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग करने लगे, जबकि कुछ समूह चाहते थे कि इस्कॉन बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, इस्कॉन बांग्लादेश ने कहा कि दास को गिरफ्तारी से काफी पहले संगठन से निष्कासित कर दिया गया था और इस्कॉन हत्या या हिंसा में शामिल नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569